मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

रांची, मंगलवार, 15 सितंबर 2026

संवत 2083, भाद्रपद शुक्ल 4 मूल्य-2 रुपये

वर्ष-10, अंक 11 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

सांध्य दैनिक

4 ▸▸ 67 साल का हुआ दूरदर्शन : 15 सितंबर 1959 को शुरु हुआ था सफर

बंगाल में शूटिंग करने पर मिलेगी सब्सिडी ◂◂ 6

हाईकोर्ट ने जेएसएससी- सीजीएल सहित अन्य नियुक्तियां रद्द करने के आदेश पर रोक जारी रखी

मेट्रो रेज

रांची : झारखंड हाईकोर्ट ने (विज्ञापन संख्या 10/2023) जेएसएससी- सीजीएल सहित अन्य नियुक्तियों को रद्द करने संबंधी राज्य सरकार के आदेश पर रोक जारी रखी है। मामले में राज्य सरकार की ओर से जवाब दाखिल नहीं किया जा सका और जवाब दाखिल करने के लिए चार सप्ताह का समय मांगा गया।

जिस पर कोर्ट ने कहा कि दो दिन से ज्यादा का समय नहीं मिलेगा। कोर्ट ने कहा कि तुगलकी फरमान के तहत आपने एक बार में सामूहिक रुप से नियुक्तियां रद्द कर दी हैं, यह अनुचित है। वरीय अधिवक्ता राजीव रंजन ने कहा कि सीआईडी के अनुसंधान की स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने की बात कहकर सरकार शपथ पत्र दाखिल करने में देरी करना चाहती है। सीआईडी का अनुसंधान और शपथ पत्र दोनों अलग-अलग चीजें है।

सरकार आज दोपहर 2.30 बजे तकसीआईडी जांच की सीलबंद रिपोर्ट दाखिल करेगी। इस दौरान कोर्ट की ओर से फॉर्मल आदेश पारित किया जाएगा। लेकिन मामलों की मेरिट पर सुनवाई शुक्रवार 10.30 बजे होगी। हाईकोर्ट के जस्टिस दीपक रोशन की अदालत ने इस नियुक्ति को रद्द किये जाने को चुनौती देने वाली आकाश गौरव एवं अन्य, निरोज एवं अन्य सहित अलग-अलग कई याचिकाओ पर सुनवाई की। याचिकाकर्ताओं की ओर से वरीय अधिवक्ता राजीव रंजन, अधिवक्ता श्रेय मिश्रा, अधिवक्ता इंद्रजीत सिन्हा, अधिवक्ता अमृतांश वत्स आदि ने पक्ष रखा। राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता रोहिताश्य राय ने पक्ष रखा।

जेएसएससी- सीजीएल परीक्षा गड़बड़ी :सीआईडी ने आयोग के अधिवक्ता को नोटिस जारी कर पूछताछ के लिए बुलाया

रांची : जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा गड़बड़ी की जांच कर रही सीआईडी ने झारखंड कर्मचारी चयन आयोग के अधिवक्ता संजोय पिपरवाल को नोटिस जारी किया है। एसआईटी ने उन्हें पूछताछ के लिए उपस्थित होने का निर्देश दिया है।

सीआईडी की एसआईटी संजोय पिपरवाल से परीक्षा से जुड़े कानूनी दस्तावेजों, आयोग की ओर से अदालत में रखी गई दलीलों और विवाद के दौरान लिए गए प्रशासनिक फैसलों के बारे में जानकारी लेगी।

जांच टीम यह भी पड़ताल कर रही है कि परीक्षा प्रक्रिया के दौरान आयोग, परीक्षा एजेंसी और अन्य संबंधित पक्षों के बीच किस तरह का पत्राचार और निर्णय हुआ था। बताया जा रहा है कि एसआईटी अब तक परीक्षा से जुड़े कई अधिकारियों और अन्य लोगों से पूछताछ कर चुकी है। अधिवक्ता से पूछताछ को जांच की इसी कड़ी से जोड़कर देखा जा रहा है।

केदारनाथ यात्रा फिर शुरू बिना हेलमेट एंट्री नहीं

यूपी-राजस्थान समेत 5 राज्यों में बारिश का अलर्ट, बिहार में 5 नदियां खतरे के निशान के ऊपर

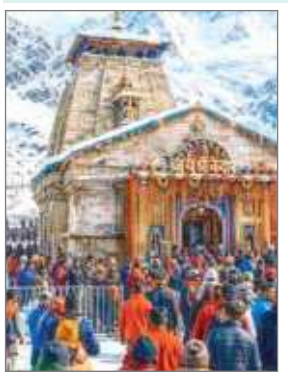

नई दिल्ली: केदारनाथ यात्रा फिर से शुरू हो गई है। चीरवासा के पास क्षतिग्रस्त रास्ते से अब 200-200 यात्रियों को सुरक्षित आगे भेजा जा रहा है। यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए बिना हेलमेट किसी को भी आगे जाने की अनुमति नहीं दी जा रही है। चीरवासा में करीब 100 मीटर का क्षेत्र डेंजर जोन में आता है। यहां कभी भी लैंडस्लाइड होने का खतरा बना हुआ है।

वहीं, बिहार में 15 जिलों में 49.67 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हैं। राज्य की 5 नदियां खतरे के निशान के ऊपर बह रही हैं। मौसम विभाग ने आज प्रदेश के 22 जिलों में यलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने यूपी के 72 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। राजस्थान में 17 सितंबर तक बारिश का अलर्ट जारी किया है। हिमाचल प्रदेश के ज्यादातर हिस्सों में हल्की बारिश हो सकती है। हरियाणा के 8 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट है। पंजाब के 18 जिलों में आज बारिश की संभावना है।

फ्रिज में जोरदार धमाके के बाद घर में लगी भीषण आग, एक ही परिवार के 4 लोग जिंदा जले

बेलागावी/एजेंसी: कर्नाटक के बेलगावी शहर में सोमवार देर रात अग्निकांड में एक ही परिवार के चार सदस्यों की जिंदा जलकर मौत हो गई। हादसे में दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घायलों को उपचार के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना शहर के चवहत गली इलाके की है और मार्केट पुलिस स्टेशन क्षेत्र में हुई।

जानकारी के अनुसार, परिवार के सदस्य रात के समय घर के अंदर मौजूद थे। इसी दौरान घर में रखे फ्रिज में अचानक धमाका हुआ। धमाके के बाद फ्रिज में आग लग गई और देखते ही देखते आग ने पूरे घर को अपनी चपेट में ले लिया। आग इतनी तेजी से फैली कि घर के अंदर मौजूद लोगों को बाहर निकलने का पर्याप्त मौका नहीं मिल सका। कई लोग आग के बीच फंस गए और उनकी मौके पर ही झुलसकर मौत हो गई।

हादसे में मरने वालों की पहचान गजानन डमोने (65), रोशन डमोने (21), शारदा डमोने (45) और भारती राडमोने (50) के रूप में हुई है। वहीं प्रिया डमोने (28) और गंगा डमोने (25) आग की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हो गईं। दोनों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है।

घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस और दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची। दमकल कर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग बुझाने के बाद घर के अंदर तलाशी ली गई, जिसमें चार लोगों के शव बरामद हुए। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

बताया जा रहा है कि मृतक परिवार दिहाड़ी मजदूरी करके अपना जीवन-यापन करता था। हादसे के बाद परिवार और आसपास के इलाके में मातम पसरा हुआ है। खास तौर पर गणेश चतुर्थी के दिन एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत से इलाके के लोग गमगीन हैं। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है। शुरूआती जानकारी में फ्रिज में धमाके के बाद आग लगने की बात सामने आई है। हालांकि आग लगने के वास्तविक कारण और फ्रिज में धमाके की वजह की जांच की जा रही है। पुलिस यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि आग इतनी तेजी से कैसे फैली और परिवार के सदस्यों को बाहर निकलने में किन परिस्थितियों का सामना करना पड़ा।

गिरफ्तारी के बाद बदले बंटी खान के तेवर

भाई प्रिंस खान पर लगाए गंभीर आरोप

बंटी खान के कथित बयान से प्रिंस खान के परिवार में दरार के संकेत

मेट्रो रेज

धनबाद: कुख्यात गैंगस्टर प्रिंस खान के परिवार में कथित तौर पर आपसी मतभेद उभरने के संकेत मिले हैं। जाली दस्तावेजों के आधार पर विदेश भागने की कोशिश के आरोप में धनबाद पुलिस द्वारा कोलकाता से गिरफ्तार किए गए प्रिंस खान के सगे भाई बंटी खान ने पूछताछ के दौरान अपने भाई पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। हालांकि, बंटी खान द्वारा लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

पूछताछ के दौरान बंटी खान ने कथित तौर पर कहा कि प्रिंस खान अपनी पत्नी और बच्चों के साथ विदेश में रह रहा है, जबकि परिवार के अन्य सदस्यों को पुलिस और कानूनी कार्रवाई का सामना करने के लिए यहां छोड़ दिया गया है। उसने अपने भाई को धनबाद लौटकर कानून का सामना करने की चुनौती भी दी।

बड़ा गैंगस्टर है तो धनबाद लौटे:

बंटी खान के कथित बयान के अनुसार, उसने प्रिंस खान से कहा कि यदि वह खुद को बड़ा गैंगस्टर मानता है तो उसे विदेश में छिपने के बजाय धनबाद लौटकर कानून का सामना करना चाहिए। बंटी ने कथित तौर पर यह भी कहा कि परिवार को मुश्किल में छोड़कर विदेश में रहना किसी बहादुरी की निशानी नहीं है।

प्रिंस के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग: पूछताछ में बंटी खान ने कथित तौर पर पुलिस से प्रिंस खान के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की। उसने यहां तक कहा कि यदि पुलिस प्रिंस खान के खिलाफ मुठभेड़ में कार्रवाई करती है, तो परिवार के सदस्य उसके जनाजे में भी शामिल नहीं होंगे। इस कथित बयान के बाद धनबाद के आपराधिक जगत में चर्चा तेज हो गई है।

▸ धनबाद लौटकर कानून का सामना करने की दी चुनौती

गिरफ्तारी के बाद बदले तेवर: बंटी खान की गिरफ्तारी के बाद सामने आए इन कथित बयानों को प्रिंस खान के परिवार के भीतर संभावित मतभेद से जोड़कर देखा जा रहा है। अब तक प्रिंस खान के परिवार और उसके नेटवर्क से जुड़े लोगों के बीच एकजुटता की तस्वीर सामने आती रही थी। ऐसे में बंटी के कथित बयान को महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

पुलिस जुटा रही नेटवर्क से जुड़ी जानकारी: बंटी खान की गिरफ्तारी के बाद पुलिस उससे पूछताछ कर प्रिंस खान के नेटवर्क, उसके विदेश में संभावित ठिकानों, संपर्कों और अन्य गतिविधियों से जुड़ी जानकारी जुटाने में लगी है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, पूछताछ से मिली जानकारियों का सत्यापन किया जा रहा है। बंटी खान द्वारा लगाए गए आरोपों की भी जांच की जा रही है।

पुलिस की जांच आगे बढ़ने के साथ प्रिंस खान के नेटवर्क और उससे जुड़े अन्य लोगों के संबंध में नए तथ्य सामने आने की संभावना जताई जा रही है।

म्यूटेशन के नाम पर 10 हजार रिश्वत लेते राजस्व कर्मचारी गिरफ्तार

मेट्रो रेज

चतरा: भ्रष्टाचार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने मंगलवार को चतरा सदर अंचल क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई की। टीम ने म्यूटेशन कराने के एवज में 10 हजार रुपये रिश्वत लेते एक राजस्व कर्मचारी को रंगेहाथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार राजस्व कर्मचारी की पहचान सतीश कुमार के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार, म्यूटेशन से संबंधित कार्य को लेकर राजस्व कर्मचारी सतीश कुमार द्वारा कथित तौर पर रिश्वत की मांग की जा रही थी। मामले की शिकायत एसीबी तक पहुंची। शिकायत के सत्यापन के बाद एसीबी ने कार्रवाई की योजना तैयार की।

योजना के तहत एसीबी की टीम ने चतरा सदर अंचल क्षेत्र में जाल बिछाया। जैसे ही राजस्व कर्मचारी ने शिकायतकर्ता से 10 हजार रुपये की रिश्वत स्वीकार की, पहले से मौजूद एसीबी अधिकारियों ने उसे रंगेहाथ पकड़ लिया। गिरफ्तारी के बाद टीम ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया शुरू की। एसीबी की इस कार्रवाई के बाद सदर अंचल कार्यालय में हड़कंप मच गया। आसपास के कर्मचारियों और अधिकारियों के बीच भी कार्रवाई को लेकर चर्चा शुरू हो गई। एसीबी की टीम गिरफ्तार राजस्व कर्मचारी से पूछताछ कर रही है और रिश्वतखोरी से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है।

बताया जा रहा है कि सरकारी काम कराने के एवज में रिश्वत मांगने की शिकायतों को लेकर एसीबी लगातार कार्रवाई कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा। सरकारी कार्यों के लिए रिश्वत मांगने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ शिकायत मिलने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

रूस से कारोबार पर अमेरिका की नजर, भारत समेत बड़े तेल खरीदारों पर 100% टैरिफ का खतरा

वॉशिंगटन/एजेंसी: रूस पर प्रस्तावित नए अमेरिकी प्रतिबंधों को लेकर वॉशिंगटन में हलचल तेज हो गई है। अमेरिकी सांसदों ने रूस प्रतिबंध बिल में कई अहम संशोधन पेश किए हैं। इनमें एक संशोधन में भारत समेत रूस के प्रमुख व्यापारिक साझेदार देशों के नाम सीधे बिल में शामिल करने की मांग की गई है। वहीं, दूसरे संशोधन में रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर टैरिफ लगाने के पूरे प्रावधान को ही हटाने का प्रस्ताव रखा गया है। अब यह मामला अमेरिकी संसद के निचले सदन यानी हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में पहुंच गया है।

यह बिल लिंडसे ग्राहम सैंक्शनिंग रशिया एंड ईरान एक्ट के नाम से जाना जा रहा है। पिछले महीने अमेरिकी सीनेट ने इसे भारी बहुमत से मंजूरी दी थी। बिल 86-11 के वोट से पास हुआ था। इसका उद्देश्य रूस के नेतृत्व और उसके ऊर्जा क्षेत्र पर कड़े प्रतिबंध लगाना है।

बिल में रूस के तेल कारोबार में मदद करने वाले जहाजों के बेड़े पर भी निगरानी और कार्रवाई का प्रावधान है। अमेरिका का आरोप है कि रूस कच्चे तेल के निर्यात से होने वाली आय का इस्तेमाल यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में कर रहा है। प्रस्तावित कानून में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को रूस से तेल खरीदने वाले बड़े देशों पर 100 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने का अधिकार देने की बात कही गई है। हालांकि, 7 अगस्त को सीनेट से पारित बिल में किसी देश का नाम सीधे तौर पर नहीं लिया गया था। इसमें केवल उन पांच देशों पर प्रावधान लागू करने की बात थी, जो रूस से सबसे अधिक मात्रा में तेल और गैस खरीदते हैं। अब डेमोक्रेटिक सांसद स्टेनी हॉयर ने संशोधन पेश कर चीन, भारत, तुर्की, अजरबैजान, हंगरी, स्लोवाक रिपब्लिक, यूएई, सिंगापुर, कजाकिस्तान और किर्गिज रिपब्लिक के नाम सीधे बिल में शामिल करने की मांग की है। वहीं, डेमोक्रेटिक सांसद ग्रेगरी मीक्स ने राष्ट्रपति को सेकेंडरी टैरिफ लगाने का अधिकार देने वाले बिल के पूरे सेक्शन 113 को हटाने का प्रस्ताव रखा है। मीक्स लंबे समय से ट्रंप को अतिरिक्त टैरिफ अधिकार देने के विरोध में रहे हैं। उनके इस संशोधन को तीन अन्य सांसदों का समर्थन भी मिला है। इस तरह रूस पर दबाव बढ़ाने के उद्देश्य से लाए गए इस बिल को लेकर अमेरिकी संसद में अब दो अलग-अलग रुख सामने आ गए हैं। एक पक्ष रूस के प्रमुख व्यापारिक साझेदारों को सीधे निशाने पर लेने की पैरवी कर रहा है, जबकि दूसरा पक्ष टैरिफ के प्रावधान को ही हटाने की कोशिश कर रहा है।

बिहार: दरोगा भर्ती से बीपीएससी 70वीं तक..., 13 मांगों पर पटना में अभ्यर्थियों का हल्लाबोल, राजभवन मार्च रोका

पटना: बिहार दरोगा भर्ती, बीपीएससी 70वीं परीक्षा समेत 13 सूत्री मांगों को लेकर प्रतियोगी परीक्षाओं के अभ्यर्थियों ने मंगलवार को पटना में जमकर प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में छात्र गांधी मैदान से राजभवन मार्च के लिए निकले, लेकिन जेपी गोलंबर के पास पटना पुलिस और सीआरपीएफ की टीम ने उन्हें रोक दिया। पुलिस की ओर से बैरिकेडिंग लगाए जाने के बाद कुछ छात्र उस पर चढ़ गए और नारेबाजी करने लगे। इससे मौके पर कुछ देर के लिए स्थिति तनावपूर्ण हो गई।

जेपी गोलंबर पर रोका, बैरिकेडिंग पर चढ़े छात्र: गांधी मैदान से राजभवन की ओर बढ़ रहे छात्र-अभ्यर्थियों को जेपी गोलंबर के पास पुलिस ने आगे जाने से रोक दिया। मौके पर पटना पुलिस के साथ सीआरपीएफ की टीम भी तैनात थी। पुलिस की बैरिकेडिंग के बावजूद कुछ छात्र

उस पर चढ़ गए और सरकार के खिलाफ नारे लगाने लगे। इसके बाद कुछ छात्र एग्जीबिशन रोड के रास्ते डाक बंगला चौराहे की ओर बढ़ने लगे। हालांकि यहां भी पुलिस टीम ने उन्हें रोक लिया। पुलिस ने छात्रों को आगे बढ़ने से रोकने के लिए बैरिकेडिंग कर रखी थी।

दरोगा भर्ती परीक्षा रद्द करने की मांग: प्रदर्शन कर रहे छात्रों का कहना है कि 1799 पदों पर हुई दरोगा भर्ती परीक्षा में गड़बड़ी हुई थी। इस मामले की जांच आर्थिक अपराध इकाई यानी ईओयू कर रही है, लेकिन अब तक परीक्षा रद्द नहीं की गई है। अभ्यर्थियों का आरोप है कि जब परीक्षा में गड़बड़ी की जांच चल रही है तो इसे रद्द कर दोबारा परीक्षा कराई जानी चाहिए। छात्रों ने बीपीएससी 70वीं परीक्षा को लेकर भी सवाल उठाए। उनका कहना है कि इस परीक्षा में बड़े पैमाने पर घोटाला हुआ है, लेकिन इसके बावजूद परीक्षा को रद्द नहीं किया जा रहा है। अभ्यर्थियों का आरोप है कि बीएसएससी की परीक्षा भी नहीं हो रही है।

'सरकार सिर्फ जांच का आश्वासन दे रही' : प्रदर्शनकारी अभ्यर्थियों का कहना है कि सरकार की ओर से लगातार जांच का आश्वासन दिया जा रहा है, लेकिन छात्रों के हित में ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। उनका आरोप है कि सरकार प्रतियोगी परीक्षाओं की समस्याओं को गंभीरता से नहीं ले रही है। इसी वजह से उन्हें आंदोलन के लिए सड़कों पर उतरना पड़ा है। अभ्यर्थियों ने साफ कहा कि जब तक सरकार उनकी 13 सूत्री मांगों को पूरा नहीं करती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। छात्रों का कहना है कि उनकी मांगों पर जल्द निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

न्यूज IN ब्रीफ

राजा मेदनीराय की प्रतिमा को असामाजिक तत्वों ने किया क्षतिग्रस्त, एक हिरासत में

लातेहार : जिले के कुटमू चौक (बरवाडीह) में स्थापित राजा मेदनीराय की प्रतिमा को असामाजिक तत्वों ने क्षतिग्रस्त कर दिया है। घटना सोमवार रात की बताई जा रही है। मंगलवार की सुबह स्थानीय लोगों की नजर क्षतिग्रस्त प्रतिमा पर पड़ी तो उन्होंने इसकी जानकारी पुलिस को दी। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है।

असामाजिक तत्वों ने प्रतिमा के चेहरे और हाथ के हिस्से को क्षतिग्रस्त किया है। प्रतिमा क्षतिग्रस्त किए जाने की घटना से स्थानीय लोगों में खासी नाराजगी है। लोगों का कहना है कि सार्वजनिक स्थल पर स्थापित ऐतिहासिक एवं सम्मानित व्यक्तित्व की प्रतिमा को नुकसान पहुंचाना गंभीर मामला है। उन्होंने दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है।

इधर प्रतिमा क्षतिग्रस्त किए जाने के मामले में मनिका विधायक रामचंद्र सिंह ने संज्ञान लिया है। विधायक के निर्देश पर कांग्रेस नेता विजय बहादुर सिंह, विधायक प्रतिनिधि प्रेम सिंह पिंटू सहित कई लोग मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया।

वहीं, थाना प्रभारी अनुराग कुमार ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है। उन्होंने बताया कि मामले की छानबीन शुरू कर दी गई है। एक आरोपी को हिरासत में लिया गया है और पूछताछ की जा रही है। उन्होंने कहा कि दोषियों को सजा मिलेगी।

कस्तूरबा आवासीय विद्यालय विधायक अमित महतो ने किया 100 बेड हॉस्टल का शिलान्यास

मुरी: विधान सभा के कस्तूरबा आवासीय विद्यालय सिल्ली में विधायक अमित कुमार महतो ने 100 बेड वाले हॉस्टल का शिलान्याश किया। इस अवसर पर बच्चे एवं शिक्षक- शिक्षिकाए मौजूद थे। इस अवसर पर विद्यालय की प्रभारी चंद्रिका कुमारी ने कहा कि इस 100 बेड के हॉस्टल से बच्चो को रहने में सुविधा होगी। वही दूसरी तरफ बिसरिया गांव में विधायक अमित कुमार महतो ने उप स्वस्थ केंद्र का सिलान्याश किया। इस उप स्वस्थ केंद्र के शिल्यानाश से लोगो में खुशी देखी गई । लोगो का कहना है की इससे हम इलाज के लिए मुरी या सिल्ली जाने की आवश्यकता नहीं होगी।

बाइक सवार उच्चकों ने महिला से चेन छीना

बोकारो: चास के जोधाडीह मोड़ से करीब 200 मीटर की दूरी पर मंगलवार को बाइक सवार दो बदमाशों ने महिला से सोने की चेन और पेंडेंट झपट लिया. घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया. महिला की पहचान विभा मालाकार के रूप में हुई है, जो बिंदी ताआड़ की निवासी हैं, अभी वो कैलाश नगर में रहती हैं.

जानकारी के अनुसार, विभा मालाकार मंगलवार सुबह करीब 10:30 बजे घर से सब्जी खरीदने निकली थी. सब्जी लेकर लौटने के दौरान जैसे ही वह अपनी गली में पहुंचीं, वहां पहले से बाइक लेकर दो युवक खड़े थे. महिला के गली में प्रवेश करते ही बदमाशों ने बाइक को उनकी ओर इस तरह मोड़ा कि वह दीवार के किनारे से टकराते-टकराते बची. इसी दौरान बाइक पर पीछे बैठे बदमाश ने उनके गले पर झपट्टा मारकर करीब 12 ग्राम की सोने की चेन और उसमें लगा पेंडेंट छीन लिया.

वारदात को अंजाम देने के बाद दोनों बदमाश बाइक से फरार हो गए. घटना के तुरंत बाद महिला ने चास थाना पुलिस को सूचना दी. सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और महिला से घटना की जानकारी ली. पुलिस ने आसपास के लोगों से भी पूछताछ की है. बदमाशों की पहचान के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं. पुलिस का कहना है कि फुटेज के आधार पर बदमाशों की पहचान कर गिरफ्तारी का प्रयास किया जा रहा है।

नेतरहाट जाने वाली सड़क का बुरा हाल, दूसरी बरसात में ही जगह-जगह बने गड्ढे

गुमलाः घाघरा प्रखंड की दिरगांव पंचायत के ग्राम तेदार से कुजाम पाठ होते हुए नेतरहाट जाने वाली सड़क की स्थिति लगातार खराब होती जा रही है। निर्माण के बाद दूसरी बरसात में ही सड़क कई जगहों पर जर्जर होकर गड्ढों में तब्दील हो गई है। सड़क की बदहाल स्थिति के कारण इस मार्ग से गुजरने वाले ग्रामीणों और वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

पहली बरसात में ही खराब होने लगी थी सड़कः आदिवासी नेता संजय कुमार भगत ने बताया कि सड़क पहली बरसात में ही खराब होने लगी थी। इसकी जानकारी ग्रामीण कार्य विभाग के कनीय अभियंता को दी गई थी और तत्काल सड़क की मरम्मत कराने की मांग की गई थी। इसके बावजूद अब तक सड़क की मरम्मत नहीं कराई गई।

बारिश के बाद बढ़ी परेशानीः लगातार बारिश के कारण सड़क की स्थिति और बदतर हो गई है। कई स्थानों पर बड़े-बड़े गड्ढे बन गए हैं। इससे वाहन चालकों को आवागमन में परेशानी हो रही है। वहीं, सड़क पर बने गड्ढों के कारण दुर्घटना की आशंका भी बनी हुई है।

संजय कुमार भगत ने ग्रामीण कार्य विभाग से सड़क की तत्काल जांच कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि सड़क के क्षतिग्रस्त हिस्सों की जल्द मरम्मत कराई जानी चाहिए, ताकि ग्रामीणों और वाहन चालकों को आवागमन में परेशानी न हो और दुर्घटना की आशंका को टाला जा सके।

प्रशासनिक उदासीनता और योजना की खामियों के कारण बेकार पड़ा है कुज्जू डेली मार्केट

कुजू (रामगढ़): कुजू नया बाजार टांड़ में करोड़ों रुपये की लागत से बनाया गया डेली मार्केट शेड इन दिनों प्रशासनिक उदासीनता और योजना की खामियों के कारण अपने उद्देश्य से भटकता नजर आ रहा है। स्थानीय सब्जी विक्रेताओं और छोटे दुकानदारों को व्यवस्थित स्थान उपलब्ध कराने तथा मुख्य सड़क (एनएच-33) पर लगने वाली दुकानों से होने वाले अतिक्रमण और जाम की समस्या से निजात दिलाने के उद्देश्य से बाजार का निर्माण कराया गया था। लेकिन जमीनी स्तर पर इसका अपेक्षित लाभ नहीं मिल पा रहा है। मार्केट शेड में पर्याप्त संख्या में दुकाननुमा स्थान बनाये गये हैं, लेकिन मूलभूत सुविधाओं की कमी के कारण अधिकांश दुकानदार यहां दुकान लगाने से परहेज कर रहे हैं। नतीजतन मुख्य सड़क के किनारे ही दुकानें लग रही हैं और बाजार को व्यवस्थित करने की योजना प्रभावी नहीं हो पा रही है।

ग्राहकों की कम आवाजाही से बिक्री पर असरः दुकानदारों के अनुसार नया बाजार टांड़ मुख्य सड़क से कुछ अंदर होने के कारण यहां ग्राहकों की आवाजाही अपेक्षाकृत कम रहती है। अधिकांश ग्राहक मुख्य सड़क के किनारे से ही खरीदारी कर वापस लौट जाते हैं। ऐसे में डेली मार्केट के अंदर दुकान लगाने वाले दुकानदारों को बिक्री प्रभावित होने की आशंका रहती है।

राशन कार्ड में जाति अपडेट पर ब्रेक, वोटर लिस्ट फाइनल होने तक नई अर्जियों पर रोक

संवाददाता

रांची : झारखंड सरकार ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को देखते हुए जनवितरण प्रणाली के तहत जारी राशन कार्ड में जाति की जानकारी अपडेट करने की प्रक्रिया पर फिलहाल रोक लगा दी है। यह रोक मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन तक लागू रहेगी। खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले विभाग ने इस संबंध में सभी जिला आपूर्ति पदाधिकारियों को स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं। सरकार ने यह फैसला चुनावी काम में लगे कर्मचारियों पर बढ़ते दबाव और आम लोगों को हो रही परेशानी को देखते हुए लिया है।

निर्वाचन कार्य के कारण बढ़ी प्रशासनिक व्यस्तताः राज्य में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत मिले दावों और आपत्तियों के सत्यापन का काम तेजी से चल रहा है। जिला उपायुक्तों ने इस काम को समय पर पूरा कराने के लिए अलग-अलग विभागों के कर्मचारियों को निर्वाचन ड्यूटी में लगाया है।

दूसरी ओर राशन कार्ड में जाति की जानकारी अपडेट कराने के लिए बड़ी संख्या में राशन कार्डधारक अंचल और प्रखंड कार्यालयों में जाति प्रमाण पत्र बनवाने के लिए आवेदन कर रहे हैं। लेकिन कर्मचारियों के चुनाव संबंधी काम में व्यस्त होने के कारण नए आवेदनों की जांच और जाति प्रमाण पत्र जारी करने की प्रक्रिया प्रभावित हो रही थी। इसी प्रशासनिक समस्या को देखते हुए सरकार ने जाति अपडेट की प्रक्रिया फिलहाल रोकने का फैसला किया है।

कर्मचारियों को सिर्फ निर्वाचन कार्य पर ध्यान देने का निर्देशः खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं

उपभोक्ता मामले विभाग के उप सचिव राम कृष्ण कुमार ने राज्य के सभी जिला आपूर्ति पदाधिकारियों को पत्र भेजकर इस फैसले की जानकारी दी है। विभाग ने बताया कि राशन कार्ड में जाति का विवरण सुधारने को लेकर इससे पहले भी 1 जुलाई और 28 जुलाई को जरूरी निर्देश जारी किए गए थे। अब राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी से मिले नए पत्र के बाद इस प्रक्रिया को स्थगित करने का निर्णय लिया गया है। मतदाता सूची पुनरीक्षण का नोटिस चरण बेहद संवेदनशील माना जा रहा है। ऐसे में कर्मचारियों को इस अवधि में केवल निर्वाचन से जुड़ी जिम्मेदारियों पर ध्यान देने का निर्देश दिया गया है।

जिला आपूर्ति अधिकारियों को आदेश के पालन के निर्देशः विभाग ने सभी जिला आपूर्ति पदाधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे अपने-अपने जिलों में इस आदेश का सख्ती से पालन सुनिश्चित कराएं। मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन तक प्रखंड और अंचल स्तर पर राशन कार्ड में जाति अपडेट से जुड़े नए आवेदनों पर कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। सरकार के इस फैसले से निर्वाचन ड्यूटी में लगे कर्मचारियों को राहत मिलने की उम्मीद है। इससे वे मतदाता सूची के दावों और आपत्तियों के सत्यापन का काम बिना किसी अतिरिक्त दबाव के समय पर पूरा कर सकेंगे। मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन होने के बाद राशन कार्ड में जाति विवरण अपडेट करने की प्रक्रिया दोबारा सामान्य रूप से शुरू कर दी जाएगी।

रामगढ़ के औद्योगिक प्रदूषण पर हाईकोर्ट सख्त

साल में 2 बार जांच,48 घंटे में गड़बड़ी तो नोटिस

संवाददाता

रांची : झारखंड उच्च न्यायालय ने रामगढ़ जिले में औद्योगिक प्रदूषण से जुड़ी जनहित याचिका का निपटारा करते हुए झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (जेएसपीसीबी) को नियमित और प्रभावी निगरानी करने का निर्देश दिया है। मुख्य न्यायाधीश एमएस सोनक और न्यायाधीश राजेश शंकर की खंडपीठ ने 27 अगस्त को सुनवाई पूरी करने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था। सोमवार को अदालत ने अपना निर्णय सुनाया। कोर्ट ने साफ कहा कि स्वच्छ और स्वस्थ पर्यावरण का अधिकार संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत मिले जीवन के अधिकार का अभिन्न हिस्सा है।

साल में दो बार होगी दोनों फैक्ट्रियों की जांचः अदालत ने कहा कि बिहार फाउंड्री एंड कास्टिंग लिमिटेड और दयाल स्टील लिमिटेड के खिलाफ फिलहाल पर्यावरण कानूनों के लगातार उल्लंघन का कोई स्पष्ट प्रमाण नहीं मिला है। हालांकि, कोर्ट ने प्रदूषण की निगरानी व्यवस्था में कमियां जरूर मानी हैं। खंडपीठ ने जेएसपीसीबी के हजारीबाग क्षेत्रीय पदाधिकारी को दोनों औद्योगिक इकाइयों की साल में कम से कम दो बार जांच करने का निर्देश दिया है। इनमें से कम से कम एक निरीक्षण बिना पूर्व सूचना के करना होगा। जांच के दौरान फैक्ट्रियों की चिमनियों से निकलने वाले धुएं और अन्य उत्सर्जन, अपशिष्ट पदार्थों तथा प्रदूषण नियंत्रण उपकरणों की स्थिति और काम करने की क्षमता की विस्तार से जांच की जाएगी। हजारीबाग के क्षेत्रीय अधिकारी को प्रत्येक निरीक्षण के बाद दो सप्ताह के भीतर अपनी विस्तृत रिपोर्ट बोर्ड के सदस्य सचिव को सौंपनी होगी।

केंद्रीय सर्वर से जुड़ा रहेगा निगरानी सिस्टमः उच्च न्यायालय ने दोनों औद्योगिक इकाइयों के सतत उत्सर्जन निगरानी सिस्टम को प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के केंद्रीय सर्वर से लगातार जोड़े रखने का निर्देश दिया है। अगर किसी भी स्थिति में 48 घंटे से अधिक समय तक प्रदूषण का स्तर निर्धारित सीमा से ऊपर दर्ज होता है तो संबंधित औद्योगिक इकाई को सात दिनों के भीतर कारण बताओ नोटिस जारी करना अनिवार्य होगा।

खंडपीठ ने कहा कि पर्यावरण को होने वाला नुकसान केवल किसी एक जिले तक सीमित नहीं रहता। प्रदूषण का असर दूर-दराज के इलाकों और वहां रहने वाले लोगों तक भी आसानी से पहुंच सकता है। इसलिए प्रदूषण की निगरानी और समय पर कार्रवाई जरूरी है। पानी के नमूनों की तीन महीने में फिर जांचः विवा इंटरनेशनल स्कूल के आसपास के पानी में फ्लोराइड, टीडीएस और नाइट्रेट की मात्रा निर्धारित मानकों से थोड़ी अधिक पाई गई है। अदालत ने इस पर संज्ञान लेते हुए तीन महीने के भीतर किसी मान्यता प्राप्त प्रयोगशाला से पानी के नमूनों की दोबारा जांच कराने का निर्देश दिया है।

गोला में झारखंड आंदोलनकारियों की बैठक संपन्न

29 को मशाल जुलूस व 30 सितंबर को झारखंड बंद का ऐलान

मेट्रो रेज

गोला: झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा गोला प्रखंड के आंदोलनकारियों की बैठक डीवीसी चौक के पास हुई।

बैठक में झारखंड आंदोलनकारियों के सम्मान पेंशन , बाल बच्चों एवं आश्रितों के रोजी रोजगार एवं नौकरी के अधिकारों की रक्षा की मांग को लेकर 29 सितंबर को मसाल जुलूस एवं 30 सितंबर को आहूत झारखंड बंद को सफल बनाने का निर्णय लिया गया। आंदोलनकारियों ने सम्मान एवं अधिकारों की रक्षा के लिए घर से निकलने का आह्वान एवं झारखंड आंदोलनकारियों को राजकीय मान सम्मान ,अलग पहचान ,रोजी रोजगार , नौकरी,सम्मान पेंशन का अधिकार सरकार को देना होगा- देना होगा का नारा बुलंद किया।

इस अवसर पर झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा के संस्थापक प्रधान सचिव पुष्कर महतो ने कहा कि झारखंड आंदोलनकारियों को अब घरों में बैठे रहने की जरूरत नहीं है क्योंकि राज्य में झारखंड आंदोलनकारी के बाल बच्चों की अधिकारों के नौकरिया को बेची जा रही है। इसलिए आंदोलनकारियों को स्वयं अपने बाल बच्चों के अधिकारों की रक्षा के लिए सड़क पर उतरना है। 30 सितंबर को गोला डीवीसी चौक में ऐतिहासिक बंद करके सरकार के प्रति अपना आक्रोश व्यक्त करेंगे। मौके पर कार्यकारी अध्यक्ष रोजलीन तिर्की, मुखिया बिनोद रजवार, देवकी प्रसाद उमेश महतो ,प्रयाग महतो, अमूल्य उपाध्याय, मनोहर सिंह संतोष सिंह ,धीरेंद्र नायक परेश महतो ,रामचंद्र सिंह, नारंगी झांसी कृष्ण सिंह, सहदेव सिंह, भोला माझी आदित्य महतो, पर्वत राम रविदास सागर देवी नानी बाला देवी सीता देवी विशंभर गोसाई, कुंजीलाल रविदास, भोला रविदास मोहन राम रविदास ,प्रयाग महतो कलिंदर रविदास ,राजा राम महतो केदार महतो ,मोहन महतो लोतिका देवी घुनरो देवी ,नागो महतो, नरेश महतो मोतीलाल महतो, चैता महतो, धनीराम महतो, बालेश्वर साहू बीरबल नायक सहित अन्य बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

कार की चपेट में आकर सफाई कर्मी घायल

लातेहार : मंगलवार की सुबह एक सड़क हादसे में नगर पंचायत का सफाई कर्मी घायल हो गया। उसके चेहरे पर गंभीर चोटें आयी है। घायल की पहचान रामेश्वर उरांव (33) के रूप मे की गयी है। वह चंदवा प्रखंड के बनहरदी पंचायत का रहने वाला है।

जानकारी के अनुसार मंगलवार की सुबह वह अपनी मोपेड से अपनी बेटी को बस चढ़ाने और उसके बाद नगर पंचायत कार्यालय जाने के लिए बनहरदी से लातेहार आ रहा था। इसी क्रम में दूध फैक्ट्री के पास सामने से आ रही एक कार की चपेट में वह आ गया।

इस घटना के बाद दोनो पिता पुत्री सड़क में गिर गए। स्थानीय लोगो ने इसकी सूचना पीसीआर को दी। सूचना मिलने पर पुलिस की पीसीआर वैन ने उन दोनो सदर अस्पताल में ला कर इलाज के लिए भर्ती कराया। बेटी को भी आंशिक चोटें आयी है। टक्कर में कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। रामेश्वर की मोपेड भी क्षति हो गयी है।

राज्य के कई इलाकों में हल्की-मध्यम बारिश के आसार

अगले 5 दिन मौसम में नहीं होगा बड़ा बदलाव, 40 किमी प्रति घंटे कर रफ्तार से चलेगी हवा

संवाददाता

रांची : झारखंड में अगले पांच दिनों तक मौसम में खास बदलाव की संभावना नहीं है। मौसम विभाग के अनुसार आज भी आसमान में बादल छाए रहने तथा कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश या मेघ गर्जन के आसार हैं। 16 से 18 सितंबर तक भी राज्य में कहीं-कहीं हल्की से मध्यम दर्जे की बारिश हो सकती है।

मौसम विभाग ने इन दिनों के लिए कई स्थानों पर गर्जन-वज्रपात के साथ 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने की चेतावनी दी है। 19 और 20 सितंबर को भी बादल छाए रहने तथा कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश या मेघ गर्जन की संभावना जताई गई है।

रांची में 30, जमशेदपुर में 33.6 डिग्री रहा अधिकतम तापमानः तापमान के जारी आंकड़े के मुताबिक बीते 24 घंटे के दौरान रांची का अधिकतम तापमान 30 डिग्री और न्यूनतम 22.4 डिग्री दर्ज किया गया। जमशेदपुर में अधिकतम 33.6 और न्यूनतम 25.6 डिग्री रहा।

डालटनगंज का अधिकतम तापमान 32.2, बोकारो 32.1, चाईबासा 33.4 और देवघर 34.9 डिग्री दर्ज किया गया। तापमान के जारी आंकड़े के मुताबिक बीते 24 घंटे के दौरान रांची का अधिकतम तापमान 30 डिग्री और न्यूनतम 22.4 डिग्री दर्ज किया गया।

तापमान के जारी आंकड़े के मुताबिक बीते 24 घंटे के दौरान रांची का अधिकतम तापमान 30 डिग्री और न्यूनतम 22.4 डिग्री दर्ज किया गया।

राज्य में सबसे अधिक 35.1 डिग्री तापमान बहारागोड़ा में रहा। लातेहार में न्यूनतम तापमान 19.4 डिग्री दर्ज किया गया। पिछले 24 घंटे में प्रमुख मौसम केंद्रों पर बारिश नहीं हुई। विभाग के अनुसार अगले पांच दिनों में अधिकतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव होने की संभावना नहीं है।

रांची में 29-31 डिग्री तक रहेगा तापमानः रांची और आसपास के इलाकों में अगले कुछ दिनों तक मौसम सुहाना रहने के साथ बारिश का दौर जारी रहने की संभावना है। मौसम विज्ञान केंद्र, रांची के अनुसार 18 सितंबर के बीच अधिकतम तापमान 29 से 31 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा।

जबकि न्यूनतम तापमान 22 से 23 डिग्री के आसपास रहने की संभावना है। आज अधिकतम तापमान 31 डिग्री, 16 सितंबर को 30 डिग्री और 17 सितंबर को इसके घटकर 29 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने का अनुमान है।

18 सितंबर को अधिकतम तापमान फिर 30 डिग्री रह सकता है। इस दौरान आसमान में सामान्यतः बादल छाए रहेंगे और एक-दो बार हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।

18 सितंबर को गरज के साथ बारिश की संभावना भी जताई गई है। मौसम विभाग के आंकड़े बताते हैं कि 19 और 20 सितंबर को भी रांची में बादल छाए रहने तथा हल्की से मध्यम बारिश की संभावना बनी रहेगी।

पाकुड़ सबसे पीछे; पश्चिमी सिंहभूम में 44% ज्यादा बारिशः झारखंड में सामान्य से करीब 5% कम बारिश हुई है। इस अवधि में राज्य में 870.9 मिमी बारिश दर्ज की गई, जबकि सामान्य बारिश 913.4 मिमी होनी चाहिए थी। जिलेवार आंकड़ों में पाकुड़ सबसे पिछड़ा रहा, जहां सामान्य से 48% कम बारिश हुई। इसके बाद धनबाद में 35%, देवघर में 31%, गुमला में 28%, साहिबगंज में 25%, कोडरमा में 24%, गिरिडीह और हजारीबाग में 23-23% तथा खूंटी में 20% कम बारिश दर्ज हुई। कुल 24 जिलों में 10 जिले सामान्य से 20% या उससे अधिक कम बारिश की श्रेणी में हैं।

एचईसी की सरकारी जमीन पर से अतिक्रमण हटाने के दौरान हंगामा, रोड जाम

मेट्रो रेज

रांची: राजधानी रांची में एचईसी और रेलवे की सरकारी जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए मंगलवार सुबह से प्रशासन ने अब तक का सबसे बड़ा अभियान शुरू किया है। अवैध निर्माणों को ढहाने के लिए इलाके में एक साथ कई जेसीबी मशीनों को उतारा गया है। कार्रवाई के दौरान किसी भी तरह की अनहोनी और कानून-व्यवस्था की स्थिति से निपटने के लिए इलाके में जिला प्रशासन की ओर से भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है। मौके पर मजिस्ट्रेट खुद मौजूद हैं और पूरे अभियान की निगरानी कर रहे हैं।

लाउडस्पीकर से चेतावनी, खुद मकान खाली कर रहे लोगः सुबह से ही प्रशासन की टीम लाउडस्पीकर के जरिए लगातार अनाउंसमेंट करवा रही है। लोगों से अपील की जा रही है कि रेलवे और एचईसी की जमीन पर बनाए गए अवैध ढांचों और मकानों को वे स्वतः खाली कर दें। चेतावनी दी गई है कि जो लोग खुद से अतिक्रमण नहीं हटाएंगे, उनके निर्माण को जेसीबी चलाकर जबरन ध्वस्त कर दिया जाएगा। कार्रवाई के डर से सुबह से ही कई लोग अपने घरों से सामान निकालकर सुरक्षित स्थानों पर ले जाते दिखे।

सड़क पर उतरे स्थानीय लोग, बढ़ा तनावः अतिक्रमण हटाने की इस अचानक और व्यापक कार्रवाई से स्थानीय निवासियों में भारी आक्रोश और अफरातफरी का माहौल है। बेघर होने के डर से बड़ी संख्या में महिलाएं, पुरुष और बच्चे सड़कों पर उतर आए हैं और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। लोगों का कहना है कि वे सालों से यहां रह रहे हैं और उन्हें बिना किसी ठोस पुनर्वास योजना के हटाया जा रहा है।

जेपीएससी परीक्षा केस- श्वेता गुप्ता को बड़ा झटका, सीआईडी की दलीलें सुनने के बाद कोर्ट ने नहीं दी बेल

मेट्रो रेज संवाददाता

रांची: रांची सीआईडी की विशेष कोर्ट में जेपीएससी परीक्षा अनियमितता मामले में जेल में बंद आरोपी तत्कालीन एग्जाम कंट्रोलर श्वेता गुप्ता की जमानत याचिका पर सुनवाई हुई। मंगलवार को हुई सुनवाई के दौरान सीआईडी और बचाव पक्ष की बहस और दलीलें सुनने के बाद कोर्ट ने श्वेता गुप्ता को बेल देने से इंकार करते हुए उसकी जमानत याचिका खारिज कर दी। सीआईडी की ओर से कोर्ट में यह दलीलें पेश की गई कि श्वेता गुप्ता ने अपने मोबाइल से व्हाट्सएप के जरिए आंसर की लिक किया हैं।

सीआईडी ने कोर्ट में पेश की 1000 पन्नों की केस डायरी : वहीं, श्वेता गुप्ता की ओर से उपस्थित अधिवक्ता ने आरोपों का बचाव करते हुए कहा कि इस मामले में उनकी कोई भूमिका नहीं है। पिछली सुनवाई में दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। श्वेता गुप्ता के विरुद्ध उक्क की तरफ से करीब 1000 पन्नों की केस डायरी कोर्ट में प्रस्तुत की गई है, जिसमें आरोपियों के विरुद्ध कई साक्ष्य कोर्ट में प्रस्तुत किये गए हैं।

श्वेता गुप्ता को सीआईडी ने अगस्त महीने में गिरफ्तार किया था, जिसके बाद से वह न्यायिक हिरासत में है। सीआईडी ने जेपीएससी परीक्षा में अनियमितता को लेकर कांड संख्या 16/2026 दर्ज की है और अब तक इस केस में 24 से ज्यादा आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। एल ख्यांग्ते पर परीक्षा में शामिल एजेंसियों से कमीशन के तौर पर मोटी रकम लेने का आरोप है।

हटिया रेलवे स्टेशन दुर्गा पूजा समिति की वार्षिक बैठक संपन्न

नंदन यादव फिर बने अध्यक्ष, इंद्रजीत सिंह सचिव

मेट्रो रेज

रांची/ हटिया: हटिया रेलवे स्टेशन दुर्गा पूजा समिति की वार्षिक बैठक उत्साहपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुई। बैठक में समिति के सदस्यों ने सर्वसम्मति से नंदन यादव को पुनः अध्यक्ष तथा इंद्रजीत सिंह को सचिव चुना। बैठक में आगामी दुर्गा पूजा आयोजन को पहले से अधिक भव्य एवं व्यवस्थित तरीके से आयोजित करने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। समिति द्वारा इस वर्ष पंडाल की थीम को आकर्षक, भव्य एवं सांस्कृतिक स्वरूप देने पर विशेष जोर दिया गया।

बैठक में श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए सुरक्षा व्यवस्था, साफ-सफाई, पेयजल, यातायात व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं को बेहतर बनाने का निर्णय लिया गया। इसके साथ ही समिति के माध्यम से सामाजिक सेवा एवं जनहित के कार्यों को और मजबूत करने पर भी चर्चा हुई। समिति द्वारा हाल ही में आयोजित जन्माष्टमी पूजा एवं विभिन्न धार्मिक-सांस्कृतिक कार्यक्रमों की सफलता का भी उल्लेख किया गया। सफल आयोजन से समिति के सदस्यों में आगामी दुर्गा पूजा को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिला।

इस अवसर पर अध्यक्ष नंदन यादव एवं सचिव इंद्रजीत सिंह ने कहा कि, समिति का लक्ष्य इस वर्ष केवल भव्य दुर्गा पूजा का आयोजन करना नहीं है, बल्कि हटिया के लोगों को एकजुट करते हुए इस आयोजन को सामाजिक एकता, भाईचारे और सांस्कृतिक गौरव का प्रतीक बनाना है।

बैठक में उपस्थित समिति के सदस्यों ने एकजुट होकर विश्वास जताया कि इस वर्ष हटिया रेलवे स्टेशन दुर्गा पूजा पंडाल रांची के प्रमुख आकर्षणों में से एक होगा और पूजा का आयोजन श्रद्धालुओं के लिए यादगार बनेगा।

27 सितंबर को होगा रांची चौरासी इदरीसी पंचायत का चुनाव

सदर और कार्यकारिणी के लिए मैदान में उम्मीदवार, मतगणना के बाद उसी दिन आयेगा परिणाम

गुलाम शाहिद

रांची: इदरीसी समाज की दशकों पुरानी सामाजिक व्यवस्था रांची चौरासी इदरीसी पंचायत एक बार फिर चुनावी दौर में है। पंचायत के केंद्रीय सदर समेत कार्यकारिणी के विभिन्न पदों के लिए 27 सितंबर को मतदान होगा। चुनाव की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं और विभिन्न पदों के उम्मीदवारों के नाम भी सामने आ चुके हैं। मतदान के बाद मतगणना होगी और परिणाम की घोषणा की जाएगी। चुनाव को लेकर समाज के विभिन्न हिस्सों में सरगर्मी तेज हो गई है।

चुनाव संयोजक मोहम्मद मोमताज आलम और सहयोगी मोहम्मद साजिद ने बताया कि पंचायत चुनाव निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार कराया जाएगा। उनके अनुसार, मतदान और मतगणना की प्रक्रिया पूरी होने के बाद

निर्वाचित पदाधिकारियों के नाम घोषित कर दिए जाएंगे।रांची चौरासी इदरीसी पंचायत को केवल चुनाव कराने वाली संस्था के तौर पर नहीं देखा जाता। यह इदरीसी समाज की पारंपरिक सामाजिक पंचायत है, जिसकी व्यवस्था पीढ़ियों से चली आ रही है। समाज के सामाजिक मामलों में हस्तक्षेप, आपसी विवादों के समाधान और सामुदायिक फैसलों के साथ पंचायत सामाजिक सुधार के मुद्दों पर भी समय-समय पर फैसले लेती रही है।शादी-विवाह में बढ़ते खर्च और दहेज जैसी सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ पंचायत ने सख्त रुख अपनाया है। दहेज मांगने वालों के सामाजिक बहिष्कार जैसे फैसले भी पंचायत के इतिहास का हिस्सा रहे हैं। युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए सामूहिक अभियान चलाने और समाज के स्तर पर इसे लागू करने की पहल भी की गई।इस बार का चुनाव इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है कि नई कार्यकारिणी को बदलते सामाजिक माहौल के बीच पंचायत की पारंपरिक व्यवस्था को आगे बढ़ाने की चुनौती होगी। समाज की एकजुटता, शिक्षा, युवाओं को नशे से बचाना, दहेज और फिजूलखर्ची पर रोक तथा जरूरतमंद परिवारों की मदद जैसे मुद्दे नई टीम के लिए अहम रहेंगे।

पूर्व के चुनावों की तरह इस बार भी विभिन्न पक्षों में चुनावी उत्साह और प्रतिस्पर्धा का माहौल है। 27 सितंबर को मतदान के बाद होने वाली मतगणना से तय होगा कि चौरासी पंचायत की कमान अगले कार्यकाल में किसके हाथों में होगी।

भाजपा जिला मंत्री ने राज्यपाल को सौंपा ज्ञापन

रांची: इचागढ़ विधानसभा क्षेत्र की ज्वलंत जनसमस्याओं और सात सूत्री मांगों को लेकर भाजपा जिला मंत्री रूपेश वर्मा (पप्पू वर्मा) के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल में सामाजिक कार्यकर्ता, आदिवासी भूमिज मुंडा युवा समाज के प्रतिनिधि समेत क्षेत्र के प्रमुख लोग शामिल थे।

प्रतिनिधिमंडल ने इचागढ़ डैम विस्थापितों की 44 वर्षों से लंबित समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। कहा गया कि विस्थापितों को अब तक पूर्ण सुविधाएं, बकाया भुगतान और विकास पुस्तिकाएं नहीं मिली हैं। पुनर्वास कॉलोनियों में पेयजल, बिजली और स्वास्थ्य सुविधाओं की भी कमी है। भूमिज समाज के पारंपरिक समाधि स्थल हरसाली के डूब जाने के बाद अंतिम संस्कार के लिए नई भूमि उपलब्ध कराने की मांग भी की गई।

एसआईआर में दावा और आपत्ति का आज अंतिम अवसर, 15 सितंबर के बाद शुरू होगा निपटारे का चरण

संवाददाता

रांची: झारखंड में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) के तहत दावा एवं आपत्ति दर्ज कराने की अंतिम तिथि 15 सितंबर है। इसके बाद प्रक्रिया के अगले चरण में दावों और आपत्तियों का निपटारा किया जायेगा। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय के अनुसार, अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 19 अक्टूबर 2026 को होगा।

इधर, एसआइआर के दौरान मतदाता सूची में नाम जुड़वाने और संशोधन को लेकर बड़ी संख्या में आवेदन मिल रहे हैं।

पहली बार नाम जुड़वाने के लिए 4,70,542 आवेदनः मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय की 14 सितंबर की रिपोर्ट के अनुसार 13 सितंबर तक मतदाता सूची में पहली बार नाम जुड़वाने के लिए 18 वर्ष या उससे अधिक आयु के पात्र भारतीय नागरिकों द्वारा फॉर्म-6 के माध्यम से 4,70,542 आवेदन प्राप्त हो चुके हैं।

इनमें अकेले 13 सितंबर को 16,224 आवेदन आये हैं। वहीं, विदेश में रहनेवाले भारतीय नागरिकों के मतदाता सूची में पंजीकरण के लिए फॉर्म-6ए के तहत अब तक 84 आवेदन मिले हैं।

नाम हटाने के लिए अब तक आये 5,576 आवेदनः मतदाता सूची में किसी नाम को हटाने, मृत्यु, स्थानांतरण, डुप्लीकेट नाम आदि के संबंध में आपत्ति दर्ज कराने के लिए फॉर्म-7 के माध्यम से कुल 5,576 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इनमें 13 सितंबर को 99 आवेदन आये।

नाम और पते में सुधार के लिए 2,98,871 आवेदनः मतदाता सूची में नाम, पता समेत अन्य विवरण में सुधार अथवा संशोधन के लिए फॉर्म-8 के तहत कुल 2,98,871 आवेदन प्राप्त हुए हैं। 13 सितंबर को 12,899 लोगों ने फॉर्म-8 जमा किया।

स्टाइपेंड नहीं मिलने से नाराज रिम्स डेंटल कॉलेज के इंटर्न डॉक्टरों ने रोकी ओपीडी

निदेशक के आश्वासन पर खत्म हुई हड़ताल

संवाददाता

रांची: स्टाइपेंड नहीं मिलने के विरोध में मंगलवार को हड़ताल पर गए रिम्स डेंटल कॉलेज के इंटर्न डॉक्टर निदेशक डॉ डीके सिन्हा के आश्वासन के बाद काम पर लौट गए। इंटर्न डॉक्टरों की हड़ताल के कारण करीब ढाई घंटे तक डेंटल कॉलेज की ओपीडी व्यवस्था प्रभावित रही। इस दौरान दांत का इलाज कराने पहुंचे मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

वहीं, इंटर्न डॉक्टरों के हड़ताल की सूचना मिलने पर निदेशक डॉ डीके सिन्हा करीब साढ़े 11 बजे डेंटल कॉलेज परिसर पहुंचे। जहां इंटर्न डॉक्टरों से बातचीत कर उन्होंने उनकी समस्या सुनी और आश्वासन दिया कि मंगलवार शाम तक स्टाइपेंड की राशि रिलीज कर दी जाएगी। निदेशक के इस आश्वासन के बाद इंटर्न डॉक्टरों ने हड़ताल समाप्त कर दी और सभी अपने-अपने काम पर लौट गए।

साढ़े तीन महीने से नहीं मिला था स्टाइपेंडः इंटर्न डॉक्टरों का कहना है कि उन्हें करीब साढ़े तीन महीने से स्टाइपेंड का भुगतान नहीं किया गया है। इसे लेकर वे लगातार रिम्स प्रबंधन से बातचीत कर रहे थे। डॉक्टरों के अनुसार, प्रबंधन की ओर से तकनीकी समस्या का हवाला देते हुए स्टाइपेंड का भुगतान नहीं किया जा रहा था। लंबे समय से भुगतान नहीं होने के कारण नाराज इंटर्न डॉक्टर मंगलवार को हड़ताल पर चले गए।

हड़ताल से मरीजों को हुई परेशानीः इंटर्न डॉक्टरों के हड़ताल पर जाने से डेंटल कॉलेज की ओपीडी व्यवस्था प्रभावित हुई। दांत का इलाज कराने पहुंचे मरीजों को इलाज के लिए इंतजार करना पड़ा। हालांकि सीनियर डॉक्टरों ने मरीजों को परेशानी नहीं हो, इसके लिए ओपीडी व्यवस्था संभालने की कोशिश की, लेकिन इंटर्न डॉक्टरों के नहीं रहने से मरीजों को काफी परेशानी हुई।

इंटर्न डॉक्टरों को मिलता है 30 हजार रुपए स्टाइपेंडः रिम्स में वर्तमान में 39 इंटर्न डॉक्टर हैं। प्रत्येक इंटर्न डॉक्टर को हर महीने 30 हजार रुपए स्टाइपेंड के रूप में दिया जाता है। डॉक्टरों का कहना है कि करीब साढ़े तीन महीने से भुगतान लंबित होने के कारण उन्हें आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। अब निदेशक के आश्वासन के बाद उन्हें शाम तक राशि रिलीज होने की उम्मीद है।

चुटिया में परी थीम पर बनेगा भव्य दुगार्पूजा पंडाल बैलगाड़ी-पालकी और हाथी होंगे आकर्षण का केंद्र

संवाददाता

रांची: रांची के चुटिया नवयुवक संघ दुगार्पूजा समिति इस वर्षदुर्गा पूजा में परी की थीम पर पूजा पंडाल का प्रारूप तैयार कर रही है। इसमें पुराने जमाने के शादी-विवाह के दौरान उपयोग होने वाली पालकी, बैलगाड़ी, हाथी व अन्य मॉडल दशार्ये जायेंगे। लोअर चुटिया स्थित महादेव मंडा के प्रांगण में पूजा पंडाल का निर्माण कांटाई, मिदनापुर, पश्चिम बंगाल के कारीगरों द्वारा कराया जा रहा है। बांस, चीनी फोम, नेट, थमोकोल, फाइबर व कपड़े आदि से सजाया जायेगा। पंडाल की चौड़ाई लगभग 60 फीट, लंबाई 90 फीट और ऊंचाई 40 फीट तक होगी। दीवारों पर देवी-देवताओं की प्रतिमाएं लगायी जायेंगी।

बैलगाड़ी सेल्फी प्वाइंटः समिति के अध्यक्ष राजकुमार महतो ने बताया कि पूजा पंडाल पर 11 लाख रुपये, लाइटसाउंड पर 1.50 लाख रुपये, मां की प्रतिमा पर 1.25 लाख रुपये, महाप्रसाद भोग पर लगभग दो लाख रुपये व साज-सज्जा, सुरक्षा व अन्य मदों पर लगभग पांच लाख रुपये खर्च होने का अनुमान है। पंडाल का पट बेलवरण के साथ षष्ठी के दिन श्रद्धालुओं के लिए खोल दिया जायेगा। वहीं, सामने सेल्फी प्वाइंट के रूप में बैलगाड़ी बनायी जायेगी।

नामः अध्यक्ष- राजकुमार महतो, कार्यकारी अध्यक्ष- भोला चौधरी, गुल्लू गोप, महामंत्री- प्रमोद गोप, संगठन महामंत्री -संजय प्रसाद (मामा), संरक्षक- उदय पासवान, लालो महतो, मनोज गोप, रवि गोप, रवींद्र प्रसाद, सरवन महतो, संयोजक- मिथिलेश गोप, सहसंयोजक- दिलीप साहू, वरीय उपाध्यक्ष- धनंजय सिंह, रामदेव लोहरा, धर्मेंद्र सोनी, अनूप ठाकुर, धनंजय ठाकुर, बद्री विशाल, अमित साहू, संदीप चौधरी, महावीर रजक, राजू गोप, बादल महतो, तपन महतो, आयुष कुमार, रवि महतो, अजीत गोप, चुन्नू गोप, गौतम महतो आदि शामिल हैं।

रेलवे ट्रैक के पास अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद, शिनाख्त में जुटी पुलिस

मेट्रो रेज

नरकोपी/बेड़ोः नरकोपी थाना क्षेत्र अंतर्गत डोरंडा पीपर टोली रेलवे ट्रैक के पास एक अज्ञात व्यक्ति का शव कटी हुई अवस्था में बरामद हुआ है। शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई।

घटना की सूचना मिलते ही नरकोपी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में ले

लिया। मृतक की अब तक शिनाख्त नहीं हो पाई है।

इस संबंध में नरकोपी थाना प्रभारी शैलेंद्र कुमार टुडू ने बताया कि मृतक की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने आम लोगों से अपील की है कि यदि कोई उक्त व्यक्ति को पहचानता है तो इसकी सूचना तुरंत नरकोपी थाना को दें, ताकि आगे की कार्रवाई की जा सके।

फिलहाल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दी है और आसपास के थानों को भी इसकी सूचना दे दी गई है।

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

हिंदी भाषा को सियासी नहीं, जमीनी हकीकत से आंकिए

भारत में हिंदी भाषा को लेकर चलने वाली राजनीति और उसकी जमीनी हकीकत के बीच एक बड़ा अंतर है, जो लगातार गहराता चला गया। हालांकि अब इसे पाटने और इससे लेकर गाहे बगाहे उत्पन्न होते रहने वाले मतभेदों को दूर करने की जरूरत है। एक तरफ जहां हिंदी को राजनीतिक ध्रुवीकरण और भाषाई अस्मिता के हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जाता है, वहीं व्यावहारिक धरातल पर इसकी स्थिति बिल्कुल अलग नजर आती है। इसलिए जनसामान्य के नजरिए से ही इसका सम्यक समाधान अपेक्षित है।

खासकर भारतीय अभिजात्य वर्ग यानी अंग्रेजी दां लोगों के इशारे पर दक्षिण-पश्चिम-पूर्वी भारतीय भाषाओं यथा तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मराठी भाषा-भाषियों में हिंदी के प्रति जो भाषाई सौतियाडाह दिखाई देती है, उससे स्थिति और जटिल हो जाती है। यदि तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मराठी भाषा-भाषी भी पंजाबी, बंग्ला और गुजराती भाषा-भाषियों की तरह हिंदी के प्रति सहज, सहनशील और जागरूक रहें तो भारत के हिंदी व प्रतिस्पर्धी भाषाई विवाद को न्यूनतम किया जा सकता है। पहला, 'एक राष्ट्र, एक भाषा' का नैरेटिवः केंद्र की राजनीति में अक्सर हिंदी को पूरे देश की संपर्क भाषा या राष्ट्रीय पहचान के रूप में पेश करने की कोशिश की जाती है। दूसरा, गैर-हिंदी राज्यों का विरोधः तमिलनाडु, कर्नाटक, केरल, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में हिंदी को 'थोप जाने' का मुद्दा बनाकर क्षेत्रीय दल अपनी राजनीति को मजबूत करते हैं।तीसरा, **वोट बैंक और ध्रुवीकरणः** उत्तर भारत में हिंदी प्रेम का कार्ड खेलकर मतदातों को लुभाया जाता है, जबकि दक्षिण में 'हिंदी विरोध' क्षेत्रीय पहचान और भाषाई स्वाभिमान को बचाने का बड़ा जरिया बन जाता है। जहां तक संवैधानिक और व्यावहारिक हकीकत की बात है तो इसके विभिन्न आयामों और उनकी वैधानिक व व्यावहारिक स्थिति पर गौर करना लाजिमी हैः-

पहली, राष्ट्रीय भाषा : भारतीय संविधान में हिंदी को 'राजभाषा' का दर्जा प्राप्त है (अनुच्छेद 343), 'राष्ट्रभाषा' का नहीं। भारत की 22 आधिकारिक भाषाएं समान हैं।

दूसरी, जनसंख्या और पहुंच : 2011 की जनगणना के अनुसार लगभग 43.6% भारतीयों की मातृभाषा हिंदी (और उसकी बोलियां) है। यह देश की सबसे बड़ी बोली जाने वाली भाषा है।

तीसरी, बाजार की हकीकत : राजनीति भले ही विरोध करे, लेकिन बॉलीवुड, ओटीटी प्लेटफॉर्म, डिजिटल मीडिया और कॉर्पोरेट विज्ञापन दक्षिण और पूर्व के राज्यों में भी हिंदी में ही फल-फूल रहे हैं।

चौथी, रोजगार की चुनौती : हिंदी भाषी राज्यों के युवा उच्च शिक्षा, विज्ञान और कॉर्पोरेट नौकरियों के लिए आज भी अंग्रेजी पर ही निर्भर हैं। हिंदी पट्टी में शिक्षा की गुणवत्ता का अभाव एक बड़ी चुनौती है।

एक, भाषा थोपने से जुड़ा डरः गैर-हिंदी भाषी राज्यों की मुख्य चिंता यह है कि यदि केंद्रीय परीक्षाओं और नौकरियों में हिंदी को प्राथमिकता दी गई, तो उनके युवाओं के अवसर सीमित हो जाएंगे।

दो, बोलियों का नुकसानः अवधी, ब्रज, भोजपुरी, मैथिली और गढ़वाली जैसी समृद्ध बोलियों को हिंदी के व्यापक छत्र के नीचे समेटने से उनकी अपनी भाषाई विविधता कमजोर हो रही है।

तीन, अंग्रेजी का दबदबाः हिंदी की राजनीति करने वाले नेताओं के अपने बच्चे भी अक्सर अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में पढ़ते हैं, जिससे आम जनता के लिए रोजगार आधारित शिक्षा का अंतर बना रहता है।

सच कहूं तो हिंदी भाषा भारत को जोड़ने का एक सशक्त माध्यम है, लेकिन इसे किसी राजनीतिक एजेंडे या अनिवार्यता के बजाय आपसी संवाद और बाजार की जरूरत के तहत स्वाभाविक रूप से विकसित होने देना ही देश के बहुभाषी ताने-बाने को मजबूत रख सकता है।

मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैयाः आधुनिक भारत की विकास-गाथा के महान शिल्पी

भारत के महान अभियंता और भारत रत्न से सम्मानित मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया के जन्मदिन को ही भारत में इंजीनियर्स डे के रूप में मनाया जाता है, जो वास्तव में अभियंताओं का संकल्प दिवस माना जाता है। भारत के महान इंजीनियरों में से एक मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया द्वारा इंजीनियरिंग के क्षेत्र में दिया गया असाधारण योगदान अविस्मरणीय है, जिन्हें भारतीय सिविल इंजीनियरिंग का जनक तथा आधुनिक भारत का विश्वककर्मा भी कहा जाता है।

अभियंता दिवस (15 सितम्बर) पर विशेष

योगेश कुमार गोयल

इंजीनियरिंग अब एक बेहद विस्तृत क्षेत्र है। वर्तमान समय में देश में कई महत्वपूर्ण विषयों में इंजीनियरिंग की पढ़ाई कराई जाती है। प्रतिवर्ष 15 सितम्बर को भारत में इंजीनियर्स डे (अभियंता दिवस) मनाया जाता है। आज के समय में अभियंता दिवस मनाने का उद्देश्य भारत में विद्यार्थियों को इस क्षेत्र में आने के लिए प्रेरित करना भी है। इंजीनियर अपनी कुशलता से विभिन्न प्रकार के निर्माण कार्यों को गति प्रदान कर देश को समृद्ध और विकसित बनाने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। राज्य तथा देश के विकास में इंजीनियरों के महत्वपूर्ण योगदान के चलते ही भारत आज इंजीनियरिंग तथा आईटी के क्षेत्र में दुनिया का अग्रणी देश है। सही मायनों में देश के विकास के धुरी इंजीनियर ही हैं, जिनका देश के विकास में सबसे महत्वपूर्ण योगदान होता है।

दरअसल, आपदा प्रबंधन से लेकर निर्माण तक कोई भी कार्य इंजीनियरों के बिना सम्पन्न नहीं हो सकता। मानव जीवन में रचनात्मक बदलाव का श्रेय इंजीनियरों को ही जाता है। देश की आजादी के बाद प्रतिभावान इंजीनियरों ने नए भारत के निर्माण तथा विकास में उल्लेखनीय योगदान दिया है। शहरों तथा गांवों के समग्र विकास के लिए सड़कों, पुलों, सिंचाई जलाशयों सहित अधोसंरचना के निर्माण के लिए निरंतर कार्य हो रहे हैं। देश में प्रतिवर्ष अभियंता दिवस इसीलिए मनाया जाता है ताकि देशभर के इंजीनियरों को प्रोत्साहित किया जा सके और हमारे इंजीनियर अपने ज्ञान और कौशल की बदौलत देश को तरक्की की नई राह पर आगे ले जाएं। इंजीनियरिंग के बारे में अमेरिका के जाने-माने इंजीनियर हेनरी पेट्रोस्की ने कहा था कि विज्ञान का अर्थ है जानना जबकि इंजीनियरिंग का अर्थ है करना अथवा करके दिखाना।

भारत के महान अभियंता और भारत रत्न से सम्मानित मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया के जन्मदिन को ही भारत में इंजीनियर्स डे के रूप में मनाया जाता है, जो वास्तव में अभियंताओं का संकल्प दिवस माना जाता है। भारत के महान इंजीनियरों में से एक मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया द्वारा इंजीनियरिंग के क्षेत्र में दिया गया असाधारण योगदान अविस्मरणीय है, जिन्हें भारतीय सिविल इंजीनियरिंग का जनक तथा आधुनिक भारत का विश्वककर्मा भी कहा जाता है।

देशभर में बने कई नदियों के बांधों और पुलों को सफल बनाने के पीछे कर्नाटक में मैसूर के कोलार जिले में 15 सितम्बर 1860 को जन्मे विश्वेश्वरैया का बहुत बड़ा योगदान रहा। एक इंजीनियर के रूप में उन्होंने देश में मैसूर में कृष्णाराज सागर बांध, पुणे के खड़कवासला जलाशय में बांध, ग्वालियर में तिगरा बांध इत्यादि कई महत्वपूर्ण बांध बनवाए।

हैदराबाद शहर को बनाने का पूरा श्रेय भी ह्यफादर ऑफ मॉडर्न मैसूर स्टेटह्ल कहे जाने वाले विश्वेश्वरैया को ही जाता है। दरअसल मैसूर सरकार के साथ मिलकर उन्होंने मैसूर संदल ऑयल एंड सोप फैक्टरी, मैसूर आयरन एंड स्टील फैक्ट्री, मैसूर चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स, स्टेट बैंक ऑफ मैसूर, विश्वेश्वरैया कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, परजीवी प्रयोगशाला, श्री जयचमराजेंद्र पॉलीटेक्निक संस्थान, बैंगलोर एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी, सेंचुरी क्लब इत्यादि कई फैक्ट्रियों और शैक्षणिक संस्थानों की स्थापना करवाई थी। विश्वेश्वरैया द्वारा शुरू की गई बहुत सी परियोजनाओं के कारण देश आज गर्व का अनुभव करता है। उन्होंने एक बाढ़ सुरक्षा प्रणाली तैयार की थी, जिसके बाद वे देशभर में विख्यात हो गए थे। विशाखापत्तनम बंदरगाह की समुद्री कटाव से सुरक्षा के लिए एक प्रणाली विकसित करने में भी उन्होंने बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। घर-घर में प्राकृतिक जल स्त्रोतों से पानी पहुंचाने की व्यवस्था करने के अलावा गंदे पानी की निकासी के लिए नाली-नालों की समुचित व्यवस्था भी विश्वेश्वरैया ने ही की थी। तिरुमला और तिरुपति के बीच सड़क निर्माण के लिए योजना को अपनाने में उन्होंने बड़ी भूमिका निभाई थी।

उनके इन प्रयासों ने ही आधुनिक भारत की रचना करने के साथ देश को एक नया रूप भी प्रदान किया। वर्ष 1955 में उन्हें भारत रत्न से सम्मानित किया गया। इंजीनियरिंग के क्षेत्र में विश्वेश्वरैया के उल्लेखनीय योगदान के मद्देनजर वर्ष 1968 में उनकी जन्मतिथि को भारत सरकार द्वारा ह्यअभियंता दिवसह्ल घोषित किया गया। तभी से प्रतिवर्ष 15 सितंबर को अभियंता दिवस मनाया जाता है। विश्वेश्वरैया की जयंती पर मनाया जाने वाला यह दिवस वास्तव में देश के विकास में योगदान देने और देश का मान बढ़ाने वाले इंजीनियरों के सम्मान में समर्पित होता है।

शुरूआती पढ़ाई मैसूर में करने के बाद विश्वेश्वरैया ने 1881 में मद्रास यूनिवर्सिटी के सेंट्रल कॉलेज से बीए की परीक्षा उत्तीर्ण की। उसके बाद मैसूर सरकार से उन्हें सहायता मिली और उन्होंने पूना के साइंस कॉलेज में इंजीनियरिंग के लिए दाखिला लिया। 1883 की एलसीई और एफसीई परीक्षा में उन्होंने प्रथम स्थान हासिल किया और उनकी योग्यता को देखते बॉम्बे सरकार ने उन्हें नासिक में सहायक अभियंता के पद पर नियुक्त किया। एक इंजीनियर के रूप में उसके बाद उन्होंने अनेक अद्भुत कार्यों को अंजाम दिया।

विश्वेश्वरैया एक आदर्शवादी और अनुशासन प्रिय व्यक्ति थे, जो अपने हर कार्य को परफैक्शन के साथ करते थे। 92 वर्ष की आयु में भी वे बिना किसी सहारे के चलते थे और सामाजिक तौर पर सक्रिय रहते थे। कोई भाषण देने से पहले वे स्वयं उसे लिखते थे और फिर कई बार उसका अभ्यास करते थे। अपनी योग्यता से उन्होंने बड़े-बड़े ब्रिटिश इंजीनियरों के समक्ष भी अपनी योग्यता और प्रतिभा का लोहा मनवाया। 1905 में उन्हें ब्रिटिश शासन द्वारा ह्यकमांडर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द इंडियन एंपायरह्ल से सम्मानित किया गया था। विश्वेश्वरैया वर्ष 1912 से 1918 तक मैसूर के 19वें दीवान रहे। वर्ष 1903 में विश्वेश्वरैया ने पुणे के खड़कवासला जलाशय में ऐसा बांध बनवाया, जिसमें इस्पात के ऐसे दरवाजे थे, जो बाढ़ के दबाब को भी झेल सकते थे और इससे बांध को भी कोई नुकसान नहीं पहुंचता था। उस बांध की सफलता के बाद उन्होंने ग्वालियर में तिगरा बांध भी बनवाया। 1932 में कावेरी नदी पर बने कृष्णा राज सागर बांध के निर्माण परियोजना में वे चीफ इंजीनियर थे। हालांकि उस बांध के निर्माण का कार्य बेहद कठिन कार्य था क्योंकि उस समय देश में सीमेंट का उत्पादन नहीं होता था लेकिन दृढ़ इरादों के धनी विश्वेश्वरैया ने इंजीनियरों के साथ मिलकर सीमेंट से कहीं ज्यादा मजबूत ह्यमोर्टारह्ल तैयार किया और उससे उस बांध का निर्माण कराया, जिसमें कावेरी, हेमावती और लक्ष्मण तीर्थ नदियां आपस में मिलती है। उस समय इस बांध को एशिया का सबसे बड़ा बांध कहा जाता था। इंजीनियरिंग के क्षेत्र में ऐसे ही अद्भुत कार्यों के कारण विश्वेश्वरैया के जन्मदिन को उन्हें सम्मान प्रदान करने के उद्देश्य से अभियंता दिवस के रूप में मनाया जाता है। 14 अप्रैल 1962 को 101 वर्ष की आयु में विश्वेश्वरैया का निधन बेंगलुरू में हुआ। भारत में जहां प्रतिवर्ष 15 सितम्बर को अभियंता दिवस मनाया जाता है, वहीं कई अन्य देशों में भी यह दिवस अलग-अलग अवसरों पर मनाया जाता है।

67 साल का हुआ दूरदर्शन : 15 सितंबर 1959 को शुरू हुआ था सफर

दूरदर्शन के शुरूआती दौर की यादों में टीवी समाचार का भी विशेष स्थान है। वर्ष 1965 में प्रतिमा पुरी द्वारा पढ़े जाने वाले पांच मिनट के समाचार बुलेटिन का दर्शक बेसब्री से इंतजार करते थे। उस समय टीवी समाचार देश-दुनिया की जानकारी हासिल करने का महत्वपूर्ण माध्यम था। समय के साथ दूरदर्शन ने समाचारों के अलावा खेल, कृषि, शिक्षा, विज्ञान, कला-संस्कृति, उद्योग, वाणिज्य और मनोरंजन से जुड़े कार्यक्रमों का व्यापक प्रसारण शुरू किया।

कभी घर-घर की पहचान और परिवार के साथ बैठकर मनोरंजन, समाचार और ज्ञान का सबसे बड़ा माध्यम रहा दूरदर्शन आज अपने सफर के 67 वर्ष पूरे कर रहा है। 15 सितंबर 1959 को नई दिल्ली से शुरू हुआ दूरदर्शन आज भी देश के सार्वजनिक प्रसारण तंत्र का अहम हिस्सा है। इंटरनेट और मोबाइल के बढ़ते दौर के बावजूद दूरदर्शन ने अपनी प्रासंगिकता बरकरार रखी है।

भारत में टेलीविजन प्रसारण की शुरूआत 15 सितंबर 1959 को प्रायोगिक प्रसारण के साथ हुई थी। शुरूआती दौर में दूरदर्शन, ऑल इंडिया रेडियो (अक्फ़) का हिस्सा था। शुरूआत में सप्ताह में दो दिन करीब एक-एक घंटे के कार्यक्रम प्रसारित किए जाते थे। इन कार्यक्रमों का मुख्य फोकस शिक्षा और विकास से जुड़े विषयों पर था। वर्ष 1965 में दूरदर्शन का दैनिक प्रसारण शुरू हुआ। इसके बाद धीरे-धीरे इसका विस्तार देश के अलग-अलग हिस्सों तक हुआ और दूरदर्शन कई दशकों तक भारत का प्रमुख और लगभग एकमात्र टेलीविजन प्रसारक बना रहा। दूरदर्शन के इतिहास में मनोरंजन के कई ऐसे कार्यक्रम रहे, जिन्होंने भारतीय दर्शकों के बीच अपनी अलग पहचान बनाई। 1987-88 में प्रसारित रामायण और 1988-90 में प्रसारित महाभारत ने दर्शकों के बीच अभूतपूर्व लोकप्रियता हासिल की।

इसके अलावा हम लोग, बुनियाद, मालगुडी डेज, चंद्रकांता और शक्तिमान जैसे धारावाहिकों ने भी दूरदर्शन को घर-घर तक पहुंचाया। इन कार्यक्रमों ने न केवल मनोरंजन किया, बल्कि भारतीय समाज, संस्कृति और पारिवारिक मूल्यों पर भी गहरा प्रभाव छोड़ा।

दूरदर्शन के शुरूआती दौर की यादों में टीवी समाचार का भी विशेष स्थान है। वर्ष 1965 में प्रतिमा पुरी द्वारा पढ़े जाने वाले पांच मिनट के समाचार बुलेटिन का दर्शक बेसब्री से इंतजार करते थे। उस समय टीवी समाचार देश-दुनिया की जानकारी हासिल करने का महत्वपूर्ण माध्यम था। समय के साथ दूरदर्शन ने समाचारों के अलावा खेल, कृषि, शिक्षा, विज्ञान, कला-संस्कृति, उद्योग, वाणिज्य और मनोरंजन से जुड़े कार्यक्रमों का व्यापक प्रसारण शुरू किया।

दूरदर्शन ने बदलते तकनीकी दौर के साथ खुद को भी लगातार विकसित किया है। आज यह नेटवर्क 110 डीटीएच सेवाएं मुफ्त उपलब्ध कराने के साथ 36 सैटेलाइट चैनलों का संचालन करता है। इसके कार्यक्रम देश की विभिन्न भाषाओं और क्षेत्रों के दर्शकों तक पहुंचते हैं।

दूरदर्शन की पहुंच देश की करीब 92 प्रतिशत आबादी तक बताई जाती है। क्षेत्रीय भाषाओं में कार्यक्रमों के प्रसारण के जरिए इसने भारत की विविध भाषाई और सांस्कृतिक विरासत को भी मंच प्रदान किया है।

आज मोबाइल फोन, लैपटॉप और इंटरनेट लोगों के जीवन का अहम हिस्सा बन चुके हैं। इसके बावजूद दूरदर्शन की अपनी अलग पहचान बनी हुई है। समाचारों से लेकर क्रिकेट, कला-संस्कृति, शिक्षा और मनोरंजन तक विविध कार्यक्रमों के कारण यह आज भी करोड़ों भारतीयों के लिए भरोसेमंद सार्वजनिक प्रसारण माध्यम बना हुआ है।

दूरदर्शन का सफर 15 सितंबर, 1959 से शुरू हुआ और आज 67 वर्षों बाद भी जारी है। बदलती तकनीक और दर्शकों की पसंद के साथ दूरदर्शन ने खुद को बदला है, लेकिन देश के सामाजिक, सांस्कृतिक और शैक्षणिक जीवन से उसका जुड़ाव आज भी कायम है।

ऋषि पंचमी पर सप्तऋषियों और देवी अरुंधती की पूजा

हर साल भाद्रपद माह की शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को ऋषि पंचमी का पर्व मनाया जाता है। यह पर्व हरतालिका तीज के दो दिन बाद और गणेश चतुर्थी के अगले दिन मनाया जाता है। इस बार आज यानी की 15 सितंबर 2026 को ऋषि पंचमी का पर्व मनाया जा रहा है।

इस दिन सप्तऋषियों और देवी अरुंधती की पूजा करने की परंपरा है। मान्यता के मुताबिक ऋषि पंचमी का व्रत आत्मशुद्धि और जाने-अनजाने हुए दोषों के प्रायश्चित से जुड़ा है। तो आइए जानते हैं ऋषि पंचमी की तिथि, मुहूर्त और पूजन विधि के बारे में...

तिथि और मुहूर्त

वैदिक पंचांग के मुताबिक भाद्रपद माह की शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि की शुरूआत सुबह 07:44 मिनट से शुरू हुई है। वहीं इस तिथि की समाप्ति अगले दिन यानी की 16 सितंबर 2026 की सुबह 08:59 पर होगा। वहीं आज पूजा का शुभ मुहूर्त सुबह 10:50 मिनट से दोपहर 01:18 बजे तक रहेगा।

पूजन विधि

इस दिन सुबह जल्दी स्नान आदि करने के बाद साफ कपड़े पहनें और व्रत का संकल्प लें। फिर पूजा स्थल को साफ करें और हल्दी-रोली से पूजा का मंडप बनाएं। फिर कश्यप, अत्रि, भारद्वाज, विश्वामित्र, गौतम, जमदग्नि और वशिष्ठ इन सप्त ऋषियों के साथ देवी अरुंधती की स्थापना करें। फिर उनको अक्षत, पुष्प, गंध, धूप, दीप और नैवेद्य अर्पित करें और पूजा करें। इस व्रत में हल से जोती गई भूमि में उगने वाले अनाज का सेवन नहीं किया जाता है। इसकी जगह पर समां के चावल और शाकाहारी आहार खाने की परंपरा है।

धार्मिक महत्व

ऋषि पंचमी का पर्व सप्तऋषियों के प्रति कृतज्ञता और सम्मान व्यक्त करने का अवसर है। मान्यताओं के मुताबिक महिलाओं द्वारा मासिक धर्म के दौरान अनजाने में हुए धार्मिक नियमों के उल्लंघन के प्रायश्चित करने के लिए यह व्रत किया जाता है। वहीं इस दिन व्रत रखने और सप्तऋषियों की पूजा-अर्चना करने और कथा सुनने से मन की शुद्धि होती है।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in**

email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज IN ब्रीफ

10 दिन से अंधेरे में मोतीपहाड़ी मोमिन टोला, जर्जर तार बन रहा खतरा

साहिबगंज/बोरियो : प्रखंड क्षेत्र के मोतीपहाड़ी मोमिन टोला में पिछले दस दिनों से बिजली आपूर्ति ठप है। आकाशीय बिजली गिरने से 63 केवी का ट्रांसफार्मर जल जाने के बाद टोले के लगभग 80 उपभोक्ता के घर अंधेरे में डूबा हुआ है।बिजली नहीं रहने से भीषण गर्मी में ग्रामीण बेहाल हैं। बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है, वहीं समरसेबल बंद रहने से पानी की समस्या भी गहरा गई है।झामुमो के पंचायत सचिव सलीम मोमिन ने बताया कि ट्रांसफार्मर जलने के बाद से बिजली आपूर्ति पूरी तरह बाधित है।दस दिन गुजर जाने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं होने से ग्रामीणों में विभाग के प्रति नाराजगी बढ़ रही है।नसीम मोमिन ने बताया कि गांव में बिजली के तारों की हालत भी बेहद खराब है।जगह-जगह तार जर्जर होकर टूट रहे हैं और सड़क व घरों के आसपास लटक रहे हैं।इससे ग्रामीणों के बीच हर समय दुर्घटना की आशंका बनी रहती है।ग्रामीणों के अनुसार,बीते दिनों जर्जर बिजली का तार टूटकर एक कुत्ते के ऊपर गिर गया था,जिससे उसकी मौत हो गई। इस घटना के बाद लोगों में और अधिक भय व्याप्त है।ग्रामीणों ने 63 केवी ट्रांसफार्मर की जगह 100 केवी का नया ट्रांसफार्मर लगाने तथा पूरे टोले के जर्जर बिजली तारों को बदलने की मांग की है।ग्रामीणों का कहना है कि बिजली विभाग यदि समय रहते नहीं चेता तो जर्जर तारों के कारण किसी दिन बड़ा हादसा हो सकता है।लोगों ने विभाग से अविलंब 100 केवी का नया ट्रांसफार्मर लगाने एवं जर्जर तारों को बदलने की मांग की है।विद्युत विभाग के सहायक अभियंता शिवम पांडे ने बताया कि जल्द ही उस गांव में 100 केवी का ट्रांसफार्मर लगाया जाएगा।मौके पर वार्ड सदस्य नासिर अंसारी,सागीर अंसारी,अकबर अंसारी,बड़ा ऐनुल अंसारी,मुस्तकीम अंसारी,सुधीन अंसारी,कमरुद्दीन अली,कान्हू हांसदा,ऐतवारी मड़ैया, वरन सोरेन, नाइकी सोरेन, मन्नान अंसारी, एहसान अंसारी सहित अन्य मौजूद थे।

आरपीवाई बीएड कॉलेज में हर्षोल्लास से मना हिंदी दिवस

कोडरमा : रमेश प्रसाद यादव शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, कोडरमा में आइक्यूएसी के तत्वावधान में सोमवार को हिंदी दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व सहायक प्राध्यापक डॉ. मनीष कुमार पासवान ने किया। शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर पुष्प अर्पित करने और दीप प्रज्वलित कर किया गया। डॉ. मनीष कुमार पासवान ने कहा कि हिंदी महज संवाद की भाषा नहीं, बल्कि देश की संस्कृति, परंपरा और भावनाओं की सशक्त अभिव्यक्ति है। हिंदी ने विभिन्न भाषायी समुदायों को जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने विद्यार्थियों से हिंदी के प्रचार. प्रसार में योगदान देने की अपील की। प्राचार्य डॉ. लक्ष्मी सरकार ने कहा कि हिंदी हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का अभिन्न हिस्सा है। शिक्षा, साहित्य, पत्रकारिता, तकनीक और संचार में हिंदी का दायरा तेजी से बढ़ रहा है। कार्यक्रम में हिंदी की उपयोगिता पर विचार-विमर्श हुआ। शिक्षकों व विद्यार्थियों ने हिंदी को दैनिक व्यवहार में बढ़ावा देने और जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया।

श्री महेश एकेडमी डोमचांच में राष्ट्रीय हिंदी दिवस मनाया गया

डोमचांच : श्री महेश एकेडमी,डोमचांच में राष्ट्रीय हिंदी दिवस सोमवार को मनाया गया. इस अवसर पर ₹हिंदी की लोकप्रियता₹ विषय पर कक्षा तीन से कक्षा 10 तक के छात्र- छात्राओं के बीच भाषण प्रतियोगिता संपन्न किया गया. प्रतियोगिता में कुल 30 चुने हुए प्रतिभागी शामिल हुए. उनमें से कक्षा दशम के छात्र शिवम कुमार को प्रथम घोषित किया गया जबकि कक्षा नवम की छात्राएं अंशिका कुमारी और सारा नाज द्वितीय और कक्षा सप्तम की छात्रा संस्कृति कुमारी तृतीय चुनी गयी. बच्चों ने बताया कि हिंदी सहज, सरल और वैज्ञानिक भाषा है. भारत में इसकी लोकप्रियता सबसे अधिक है. हिंदी हमारी संस्कृति, संपर्क और एकता की महत्वपूर्ण कड़ी है. अपने देश के अनेक राज्यों उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार, राजस्थान, झारखंड, उत्तराखंड, छत्तीसगढ़, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात में प्रमुख भाषा है. विश्व स्तर पर सर्वाधिक लोकप्रिय भाषाओं में से हिंदी का विशेष स्थान है .हिंदी समृद्ध भाषा है. भाषण प्रतियोगिता में बच्चों के भाषण का मूल्यांकन प्राचार्य रीना दारद, शिक्षक शुभम कुमार और शिक्षिका सपना गुप्ता ने संयुक्त रूप से किया. मौके पर निदेशक सुनील कुमार सिन्हा,मुकुल कुमार, मोहनलाल पाण्डेय,सौरव कुमार, रौशन कुमार, नकुल पाण्डेय,संजय कुमार, साक्षी कुमारी, निशा कुमारी, मधु कुमारी, रिया गुप्ता, राधिका गुप्ता, अनिता कुमारी, सहित साइको विद्यार्थी उपस्थित हुए.

राज इंटरनेशनल स्कूल कोडरमा में गणेश चतुर्थी एवं हिंदी दिवस का भव्य आयोजन

कोडरमा : राज इंटरनेशनल स्कूल, कोडरमा में गणेश चतुर्थी एवं हिंदी दिवस के अवसर पर हर्षोल्लास और उत्साह के साथ विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति, संस्कारों, नैतिक मूल्यों तथा हिंदी भाषा के महत्व से परिचित कराना था।

कार्यक्रम की शुरूआत भगवान गणेश की वंदना से हुई। इसके बाद विद्यार्थियों ने मनमोहक समूह नृत्य प्रस्तुत कर वातावरण को भक्तिमय एवं उत्सवपूर्ण बना दिया। विद्यार्थियों ने भगवान गणेश के जीवन से जुड़े प्रेरणादायक प्रसंगों के माध्यम से ज्ञान, विनम्रता, माता-पिता के सम्मान, धैर्य और दृढ़ संकल्प जैसे महत्वपूर्ण जीवन-मूल्यों का संदेश दिया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा भगवान गणेश से जुड़ी प्रेरणादायक कहानी पर आधारित लघु नाटिका (स्किट) भी प्रस्तुत की गई, जिसे सभी ने खूब सराहा। नाटिका के माध्यम से विद्यार्थियों ने यह संदेश दिया कि सच्ची बुद्धिमत्ता, संस्कार और समर्पण जीवन की कठिनाइयों को दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। हिंदी दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों ने हिंदी भाषा की महत्ता पर भाषण, कविताओं और कहानी प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य राहुल घोष ने अपने संबोधन में गणेश चतुर्थी और हिंदी दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्यों का अपर समाहर्ता ने लिया जायजा

घीशु टोला मकई टोला सहित प्रभावित क्षेत्रों का किया निरीक्षण

संवाददाता

साहिबगंज : जिले में गंगा नदी के बढ़ते जलस्तर एवं बाढ़ की स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्यों को पूरी तत्परता, संवेदनशीलता एवं मानवीय दृष्टिकोण के साथ लगातार संचालित किया जा रहा है।इसी क्रम में अपर समाहर्ता श्री विजय कुमार ने अंचलाधिकारी, साहिबगंज श्री बासुकीनाथ टुडू एवं एनडीआरएफ दल के साथ विभिन्न बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान घीशु टोला, मकई टोला सहित अन्य प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचकर बाढ़ की स्थिति, प्रभावित परिवारों की आवश्यकताओं तथा राहत एवं बचाव कार्यों की जमीनी स्थिति का जायजा लिया गया।निरीक्षण के क्रम में बाढ़ प्रभावित एवं जरूरतमंद परिवारों के बीच खाद्य सामग्री का वितरण कर उन्हें तत्काल राहत उपलब्ध कराई गई। प्रशासनिक टीम द्वारा प्रभावित लोगों से संवाद कर उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं की जानकारी भी ली गई।अपर समाहर्ता विजय कुमार ने मौके पर उपस्थित पदाधिकारियों एवं कर्मियों को निर्देशित किया कि बाढ़ प्रभावित परिवारों तक राहत सामग्री एवं आवश्यक सेवाओं की उपलब्धता हर हाल में सुनिश्चित की जाए। उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों में लगातार निगरानी बनाए रखने जरूरतमंद लोगों की त्वरित सहायता करने राहत व बचाव कार्यों में किसी भी प्रकार की शिथिलता नहीं बरतने का निर्देश दिया।

उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन बाढ़ प्रभावित परिवारों की सुरक्षा सहायता व सम्मान के साथ उनके साथ खड़ा है। प्रशासन की प्राथमिकता प्रत्येक प्रभावित परिवार तक समय पर राहत पहुंचाना तथा विषम परिस्थितियों में आमजनों को हरसंभव सहयोग उपलब्ध कराना है।जिला प्रशासन द्वारा बाढ़ की स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है तथा राहत व बचाव कार्य पूरी तत्परता के साथ जारी है।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राशन कार्डधारियों के बीच खाद्यान्न वितरित

संवाददाता

साहिबगंज : सदर बड़हरवा तालझारी उधवा व अन्य प्रखंड के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राशन कार्डधारी लाभुकों के बीच सितंबर,2026 माह के खाद्यान्न का वितरण कराया गया। जिला प्रशासन द्वारा बाढ़ की स्थिति को देखते हुए प्रभावित परिवारों को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के तहत निर्धारित खाद्यान्न समय पर उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक निर्देश दिए गए हैं।संबंधित जन वितरण प्रणाली विक्रेताओं को निर्देशित किया गया है कि शेष सभी पात्र लाभुकों के बीच अविलंब व अधिकतम दो दिनों के अंदर खाद्यान्न का वितरण सुनिश्चित करें ऋताकि कोई भी पात्र लाभुक खाद्यान्न से वंचित न रहे।साथ ही, बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में ऐसे परिवार अथवा व्यक्ति, जो पात्र होने के बावजूद किसी कारणवश अब तक राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना का लाभ प्राप्त नहीं कर सके हैं अथवा जिनके पास राशन कार्ड उपलब्ध नहीं है, उनकी पहचान कर सूची तैयार करने का निर्देश दिया गया है। संबंधित पदाधिकारियों एवं कर्मियों को निर्देशित किया गया है कि पात्र परिवारों व्यक्तियों की सूची अविलंब प्रखंड कार्यालय को उपलब्ध कराएं, ताकि नियमानुसार उन्हें राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना से जोड़ा जा सके और आवश्यक खाद्य सुरक्षा लाभ प्रदान किया जा सके।जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि बाढ़ प्रभावित एवं पात्र परिवारों तक खाद्यान्न की उपलब्धता सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिकता है।

मूडली पहाड़ में धूमधाम से मनाया गया करम पर्व पारंपरिक गीत-संगीत पर झूमे लोग

संवाददाता

साहिबगंज : करमा पूजा के अवसर पर मूडली पहाड़ में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिला,पुरुष एवं बच्चियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।इस दौरान पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ करमा पर्व मनाया गया तथा लोगों ने गीत-संगीत और नृत्य के माध्यम से पर्व की खुशियां साझा कीं।कार्यक्रम में मुख्य रूप से रांची से सीतल ओहदार,भाजपा प्रदेश मंत्री कृष्णा महतो,भाजपा नेता प्रेम मंडल उर्फ मंटा मंडल,राजेश मंडल,ओम प्रकाश महतो उर्फ झूलन महतो,कुणाल राय, रमन राय,चंदन कुमार,संजय पटेल, विक्स, अमर, अजित, पवन, संजय सिंह पटेल,जगदीप महतो,केदार महतो, अर्जुन महतो एवं अजय चौधरी सहित कई लोग शामिल हुए।कार्यक्रम के दौरान करमा पर्व की परंपरा,संस्कृति और सामाजिक एकजुटता देखने को मिली। महिलाओं और बच्चियों ने पारंपरिक गीतों के साथ करमा पूजा में हिस्सा लिया,जिससे पूरा वातावरण उत्सवमय हो गया। उपस्थित लोगों ने सभी को करमा पर्व की शुभकामनाएं देते हुए आपसी भाईचारा एवं सांस्कृतिक परंपराओं को बनाए रखने का संदेश दिया।

सर्वेक्षण उपरांत भारतीया के कलाकृति को संग्रहालय में लगाने का निर्णय

संवाददाता

साहिबगंज : संजय भारतीया ने अपनी अनोखी कलाकृति तांबे की तार की बनी गणेश जी की आकृति को अयोध्यासी के अंतरराष्ट्रीय राम कथा संग्रहालय राम मंदिर एवं राम जन्मभूमि ट्रस्ट से संबंधित में लगाने हेतु स्वीकार किया।संग्रहालय को दिल्ली के प्रधानमंत्री संग्रहालय के तर्ज पर भव्य और आधुनिक रूप से विकसित किया जा रहा है।संग्रहालय में होलोग्राम और 7डी तकनीक का प्रयोग कर विश्व स्तरीय भगवान श्री राम की कलाकृति को दर्शाएगा। संग्रहालय में प्रदर्शित करने के लिए राम मंदिर के ट्रस्ट के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा 1914 से 1919 प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव के निर्देश पर राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद कोलकाता के महानिदेशक की विशेष टीम ने गहन परीक्षण व सर्वेक्षण उपरांत भारतीया के कलाकृति को संग्रहालय में लगाने का निर्णय लिया।संजय भारतीय' का जन्म 1955 वर्ष भरतीया रोड साहिबगंज में हुआ उनकी प्रारंभिक शिक्षा रेलवे उच्च विद्यालय साहिबगंज एवं उच्च शिक्षा साहिबगंज महाविद्यालय से की।पढ़ाई के साथ-साथ साधारण उपकरणों की सहायता से तांबे के तार के माध्यम से अद्भुत कलाकृति को तैयार करने की अनोखी शैली विकसित की जो आज राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई है ।भारतीया ने अपनी कलाकृति को राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए आवेदन किया पुरस्कार पाना इनके जीवन की महत्वपूर्ण उपलब्धि होगी।संजय भारतीय' व्यवसाय सुनील भारतीया एवं वार्ड पार्षद सुशील भारतीय' के बड़े भाई है।पत्नी सुधा कुणाल निखिल नम्रता रुचि मित्र ललित स्वदेशी,शिवकुमार शर्मा, अवधेश सिंह ने उन्हें इस उपलब्धि की बधाई एवं शुभकामनाएं दी साथ ही ईश्वर से प्रार्थना की उनके कलाकृति को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिले।

प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष ने फीता काटकर किया पंडाल का उद्घाटन

संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवा : गणेश चतुर्थी के शुभ अवसर पर साहिबगंज जिले के बरहरवा में मेला का भव्य उद्घाटन किया गया।मॉल का उद्घाटन प्रखंड 20 सूत्री अध्यक्ष अशोक कुमार दास एवं प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष रंजीत टुडू ने संयुक्त रूप से फीता काटकर एवं नारियल फोड़कर किया।इस अवसर पर प्रखंड 20 सूत्री अध्यक्ष अशोक कुमार दास ने कहा कि मेला का खुलना बरहरवा एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्र के लोगों के लिए काफी सुविधाजनक और लाभकारी है।अब लोगों को विभिन्न प्रकार के सामानों की खरीदारी के लिए दूसरे शहरों का रुख नहीं करना पड़ेगा।उन्होंने कहा कि मॉल में विभिन्न प्रकार की वैरायटी एक ही छत के नीचे उपलब्ध है और सामानों की कीमत भी काफी किफायती रखी गई है।पहले बरहरवा के लोगों को मॉल में खरीदारी करने के लिए शहर जाना पड़ता था,लेकिन अब स्थानीय स्तर पर ही आधुनिक खरीदारी की सुविधा उपलब्ध हो गई है।अशोक कुमार दास ने क्षेत्रवासियों से अपील करते हुए कहा कि बरहरवा में ही मॉल की सुविधा उपलब्ध है,इसलिए लोग यहां आएं और अपनी जरूरत के सामानों की खरीदारी करें।उद्घाटन समारोह के दौरान स्थानीय लोग एवं गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

तीज महापर्व पर सुहागिनों ने रखा निर्जला व्रत, शिव-पार्वती की पूजा कर मांगा अखंड सुहाग

संवाददाता

साहिबगंज : सुहागिन महिलाओं का प्रमुख पर्व हरितालिका तीज सोमवार को साहिबगंज जिले में श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया गया।इस अवसर पर महिलाओं ने अपने पति की दीर्घायु,अखंड सौभाग्य तथा परिवार में सुख-शांति और समृद्धि की कामना को लेकर निर्जला व्रत रखा।सुबह से ही विभिन्न शिव मंदिरों में पूजा-अर्चना और तीज की कथा सुनने के लिए सुहागिन महिलाओं की भीड़ जुटी रही।साहिबगंज पुलिस लाइन स्थित शिव मंदिर में भी तीज पर्व को लेकर विशेष धार्मिक आयोजन किया गया।बड़ी संख्या में सुहागिन महिलाएं मंदिर पहुंचीं और भगवान भोलेनाथ एवं माता पार्वती की विधिवत पूजा-अर्चना की। मंदिर के पुरोहित पंकज पांडे ने महिलाओं को तीज व्रत की कथा सुनाई तथा पर्व के धार्मिक महत्व की जानकारी दी। महिलाओं ने श्रद्धापूर्वक कथा का श्रवण कर भगवान शिव और माता पार्वती से अपने परिवार की सुख-शांति एवं पति की लंबी आयु की प्रार्थना की।मान्यता के अनुसार हरितालिका तीज पर महिलाएं भगवान शिव और माता पार्वती की आराधना करती हैं।इस दिन सुहागिन महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र और वैवाहिक जीवन की सुख-समृद्धि के लिए कठिन व्रत रखती हैं।कई महिलाएं पूरे दिन निर्जला व्रत रखती हैं औरजल,दूध,शरबत अथवा चाय तक ग्रहण नहीं करतीं।यह व्रत श्रद्धा और संकल्प के साथ रखा जाता है।पुलिस लाइन शिव मंदिर सहित जिले के विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं ने पारंपरिक रूप से पूजा-अर्चना की,तीज की कथा सुनी और एक-दूसरे को पर्व की शुभकामनाएं दीं।मंदिरों में दिनभर भक्ति और उत्साह का माहौल बना रहा।सुहागिनों ने भगवान शिव और माता पार्वती से अपने परिवार में सुख,शांति और समृद्धि के साथ अखंड सुहाग की कामना की।

सीरी एः इंटर मिलान ने उडिनेज को 5-3 से हराया, रोमा के साथ शीर्ष पर कायम

मिलान । गत चैंपियन इंटर मिलान ने दो गोल से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए सोमवार को उडिनेज को 5-3 से हराकर सीरी ए में अपना शत-प्रतिशत रिकॉर्ड कायम रखा। इस जीत के साथ इंटर चार मैचों में 12 अंक लेकर रोमा के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर है।

इंटर की शुरूआत बेहद खराब रही। जेम्स अबैंकवाह और युर्गेन एकेलेंकैंप ने शुरूआती 16 मिनट में गोल कर उडिनेजे को 2-0 की बढ़त दिला दी और इंटर को बड़ा झटका दिया। इसके बाद कार्लोस ऑगुस्तो ने लंबी दूरी से शानदार गोल कर इंटर की वापसी की शुरूआत की। निकोलो बरेला ने हाफ टाइम से 10 मिनट पहले गोल कर स्कोर 2-2 कर दिया।

दूसरे हाफ में इंटर ने पूरी तरह मुकाबले पर नियंत्रण कर लिया। मार्कस थुराम ने 59वें मिनट में गोल कर टीम को पहली बार बढ़त दिलाई। इसके बाद फ्रांसेस्को एस्पोसितो और आंगे-योआन बोनी ने गोल कर इंटर की बढ़त 5-2 कर दी। इंजरी टाइम में इद्रिसा गुएये ने उडिनेजे के लिए एक गोल किया, लेकिन वह हार टालने के लिए पर्याप्त नहीं था।

रोमा ने भी कायम रखा शत-प्रतिशत रिकॉर्ड

रोमा ने भी टोरिनो को 2-0 से हराकर लगातार चौथी जीत दर्ज की। डोनियल मालेन और निकोलो पिसिली ने रोमा के लिए गोल किए। मालेन ने गोलकीपर लुकास पेरी की रक्षात्मक गलती का फायदा उठाते हुए टीम को बढ़त दिलाई।

पिसिली ने मैच के अंतिम चरण में जियानलुका मैनचिनी के पास को गोल में बदलकर रोमा की जीत सुनिश्चित कर दी। रोमा के भी चार मैचों में 12 अंक हैं। इंटर और रोमा की अगली भिड़ंत स्टेडियो ओलिंपिको में होगी।

कोमो तीसरे स्थान पर

एक अन्य मुकाबले में कोमो ने पर्मा को 2-1 से हराकर अंक तालिका में तीसरा स्थान हासिल कर लिया। जैकोबो रामोन और काइकी ब्रूनो ने कोमो के लिए गोल किए। यह जीत कोमो की सप्ताह के मध्य में यूईएफए चैंपियंस लीग में जीत के बाद आई है।

पटाया की अंतरराष्ट्रीय योगासन प्रतियोगिता में आसनसोल की पंपा पाल ने जीता स्वर्ण

आसनसोल। थाईलैंड के पटाया में आयोजित अंतरराष्ट्रीय योगासन प्रतियोगिता में भारत और पश्चिम बंगाल के प्रतिभागियों ने शानदार प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता में पश्चिम बर्दवान जिले के आसनसोल की गृहिणी पंपा पाल ने 42 से 50 वर्ष आयु वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर देश और राज्य का नाम रोशन किया।

प्रतियोगिता से लौटने के बाद सोमवार को आसनसोल में पत्रकारों से रूबरू होते हुए पंपा पाल ने अपनी उपलब्धि और संघर्ष की कहानी साझा की। उन्होंने बताया कि पटाया में आयोजित इस ओपन इंटरनेशनल योगासन प्रतियोगिता में नौ देशों के प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था। पश्चिम बंगाल से कुल 49 प्रतिभागी प्रतियोगिता में शामिल हुए, जिनमें 19 ने स्वर्ण, 17 ने रजत और नौ प्रतिभागियों ने कांस्य पदक हासिल किया। पंपा पाल ने बताया कि उनके आयु वर्ग में प्रतियोगिता के दौरान तीन अनिवार्य और दो वैकल्पिक आसन करने थे। वैकल्पिक आसनों में हैंड बैलेंस और लेग बैलेंस शामिल थे। अनिवार्य आसनों की जानकारी आयोजकों की ओर से पहले ही दे दी जाती है और उसी के आधार पर प्रतिभागियों के प्रदर्शन का मूल्यांकन किया जाता है। उन्होंने कहा कि गृहिणी होने के साथ योग को आगे बढ़ाना उनके लिए आसान नहीं है। सुबह करीब चार बजे उठकर घर के कामकाज से दिन की शुरूआत होती है। सुबह चार से छह बजे तक घरेलू काम करने के बाद साढ़े छह से साढ़े नौ बजे तक योग की कक्षाएं चलाती हैं। इसके बाद घर के काम, टिफिन और रसोई की जिम्मेदारी निभाने के बाद दोपहर तीन बजे से फिर योग की कक्षा शुरू हो जाती है। योग की ट्यूशन के माध्यम से वह परिवार के खर्च में भी सहयोग करती हैं। उनके पति निजी क्षेत्र में नौकरी करते हैं और बेटा पढ़ाई के साथ ऑनलाइन ट्यूशन कर आय में सहयोग करता है।

पंपा पाल ने कहा कि वह और उनके जैसी कई प्रतिभाएं जिला और राज्य स्तर की प्रतियोगिताओं में अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद राष्ट्रीय स्तर तक नहीं पहुंच पा रही हैं। उन्होंने राज्य सरकार से इस दिशा में उचित मूल्यांकन और सहयोग की अपील की। उन्होंने कहा कि कई बार आसन पूरी तरह सही नहीं होने या पैर की स्थिति ठीक नहीं होने जैसी वजहों से प्रतिभागियों को आगे बढ़ने का मौका नहीं मिल पाता। ऐसे में वे ओपन इंटरनेशनल प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेकर अपनी प्रतिभा साबित कर रहे हैं।

बंगाल में शूटिंग करने पर मिलेगी सब्सिडी

राज्य की बीजेपी सरकार ने शुक्रवार को अभिनेता और पार्टी नेता मिथुन चक्रवर्ती को अपना सांस्कृतिक सलाहकार बनाया। नई जिम्मेदारी मिलने के बाद अभिनेता ने राज्य में फिल्म शूटिंग को बढ़ावा देने के लिए बड़ा एलान किया है।

➤ मिथुन चक्रवर्ती ने की घोषणा

शूटिंग को बढ़ावा देने के लिए बड़ा एलान

नई जिम्मेदारी मिलने के बाद मिथुन चक्रवर्ती ने राज्य में फिल्म शूटिंग को बढ़ावा देने के लिए 30 फीसदी सब्सिडी देने का एलान किया। इससे एक दिन पहले बंगाली सिनेमा के दिग्गज अभिनेता उत्तम कुमार की जन्म शताब्दी के मौके पर आयोजित एक कार्यक्रम में मिथुन ने इस सब्सिडी को लेकर बात की थी। उन्होंने बताया था कि उन्होंने मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी से फिल्म इंडस्ट्री के लिए सब्सिडी देने की खास मांग की थी, जिसे उन्होंने मंजूरी दे दी। शुक्रवार को अपनी नई जिम्मेदारी की घोषणा के बाद मीडिया से बात करते हुए मिथुन चक्रवर्ती ने कहा, 'हम कोशिश करेंगे कि हमने जो कुछ खोया है, उसे वापस लाया जाए। हम 30 फीसदी सब्सिडी दे रहे हैं, ताकि पूरे भारत से लोगों को बंगाल लाया जा सके। हम लोगों से कह रहे हैं कि बंगाल आएं और यहां शूटिंग करें।

नयनतारा फिर बनीं 'मूकुथी अम्मन', 'महाशक्ति' का दमदार टीजर जारी

दक्षिण भारतीय अभिनेत्री नयनतारा की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'महाशक्ति' का टीजर जारी कर दिया गया है। सुंदर सी. के निर्देशन में बनी इस फिल्म में नयनतारा एक बार फिर लोकप्रिय किरदार 'मूकुथी अम्मन' के रूप में नजर आ रही हैं। वर्ष 2020 में रिलीज हुई 'मूकुथी अम्मन' में उनके इस किरदार को दर्शकों ने काफी पसंद किया था। अब इसकी वापसी ने फिल्म को लेकर दर्शकों की उत्सुकता बढ़ा दी है। टीजर में भव्य दृश्य, बड़े पैमाने पर तैयार किए गए सेट और रहस्य से भरपूर माहौल दिखाई देता है।

'महाशक्ति' का निर्माण डॉ. ईश्वरी के. गणेश ने वेल्स फिल्म इंटरनेशनल के बैनर तले अवनी मीडिया, आईवीवाई एंटरटेनमेंट और राउडी पिक्चर्स के साथ मिलकर किया है। फिल्म में नयनतारा के अलावा रेगिना कैसांद्रा, योगी बाबू और ऊर्वशी समेत कई कलाकार महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे। टीजर में नयनतारा का दमदार और पहले से अलग रूप देखने को मिला है। निर्देशक सुंदर सी. ने इस बार 'मूकुथी अम्मन' की दुनिया को बड़े स्तर पर पेश करने की कोशिश की है।

फिल्म को नवंबर 2026 में हिंदी, तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ भाषाओं में सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। उत्तर भारत में फिल्म के वितरण की जिम्मेदारी एए फिल्म्स संभालेगी। नयनतारा के लोकप्रिय किरदार की वापसी और फिल्म के भव्य स्तर को देखते हुए 'महाशक्ति' को लेकर दक्षिण भारतीय सिनेमा के साथ हिंदी दर्शकों में भी उत्सुकता बनी हुई है।

हर्षवर्धन राणे ने जॉन और राम गोपाल वर्मा को बताया अपना गुरु

अभिनेता हर्षवर्धन राणे ने शिक्षक दिवस के अवसर पर उन लोगों को याद किया, जिन्होंने उन्हें एक बेहतर इंसान और इतने मुकाम तक पहुंचाने में मदद की। अभिनेता ने इंस्टाग्राम पर फोटो शेयर करते हुए उन रिश्तों की झलक दिखाई जो उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में अपने सफर के दौरान बनाए हैं। पहली तस्वीर में अभिनेता हर्षवर्धन राणे एक्टर-प्रोड्यूसर जॉन अब्राहम के साथ हैं। दोनों एक तस्वीर में एक गर्मजोशी भरा पल शेयर करते दिख रहे हैं। एक और तस्वीर में फिल्ममेकर राम गोपाल वर्मा एक कुर्सी पर बैठे हैं, जबकि तीसरी फोटो में हर्षवर्धन एक्टिंग कोच सौरभ सचदेवा के साथ पोज देते हुए दिख रहे हैं। तस्वीर शेयर कर अभिनेता ने लिखा, 'मेरे टीचर्स मेरे गॉडफादर के लिए। शिक्षक दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।' इसके बाद उन्होंने एक और लाइन लिखी, 'मैं उनसे सीख रहा हूं बस काम करते रहना। अभिनेता हर्षवर्धन राणे जॉन अब्राहम को अपना मेंटर मानते हैं। बताया जाता है कि हर्षवर्धन राणे की जॉन से पहली मुलाकात 2004 में हुई थी, जब एक डिलीवरी बॉय के तौर पर उन्होंने जॉन अब्राहम को एक हेलमेट डिलीवर किया था। सालों बाद दोनों अब साथ में फिल्म 'फोर्स-3' में नजर आएंगे। जॉन अब्राहम इस फिल्म में एक बार फिर अपने लोकप्रिय और दमदार किरदार एसीपी यशवर्धन सिंह के रूप में लौट रहे हैं, जबकि हर्षवर्धन इस फिल्म में खलनायक (विलेन) या उनके आमने-सामने की टक्कर वाले रोल में दिखाई देंगे। फिल्ममेकर राम गोपाल वर्मा (आरजीवी) और अभिनेता हर्षवर्धन राणे के बीच का बॉन्ड सिनेमाई जूनून, आपसी सम्मान और एक बड़े क्रिएटिव बदलाव पर टिका है। क्राइम-थ्रिलर फिल्म 'पुलिस कंपनी' को राम गोपाल वर्मा डायरेक्ट कर रहे हैं, जो मुंबई एनकाउंटर स्पेशलिस्ट दया नायक की जिंदगी पर आधारित एक क्राइम थ्रिलर है, जिसमें एक्टर पुलिस वाले का रोल करेंगे।

अभिनेत्री होने के नाते हर प्रोजेक्ट में बेस्ट देने की कोशिश करती हूं : अश्मेता बख्शी

अभिनेत्री अश्मेता बख्शी इन दिनों टेलीविजन सीरीज '108 बेस हॉस्पिटल- उरी' में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने बताया कि उनकी अभिनय की दुनिया में उनका सफर रोलर-कोस्टर राइड की तरह रहा है। अभिनेत्री का मानना है कि जब आप किसी भी फील्ड में काम करते हैं, तो उतार-चढ़ाव होना आम बात है। उन्होंने बताया, 'मैंने बहुत सारे रोल किए हैं और एक एक्टर के तौर पर, मैं इतने अलग-अलग तरह के किरदार निभाकर खुद को खुशकिस्मत महसूस करती हूं। यह एक खूबसूरत सफर रहा है।' अभिनेत्री से ने सवाल किया, 'आपने फिल्म, वेब सीरीज और टेलीविजन में काम किया है, तो आपको इन मीडिया में क्या फर्क लगता है और आपको कौन सा माध्यम ज्यादा सही लगता है? '

अभिनेत्री ने इस सवाल का जवाब देते हुए कहा, 'मीडिया कोई भी हो करनी तो आपको एक्टिंग ही है, हमें जो लिखा मिलता है बस उसी में बेस्ट देने की कोशिश करते हैं। ऐसा कभी नहीं होता कि अगर आप कोई फिल्म कर रहे हैं, तो आप ज्यादा मेहनत करेंगे और अगर आप कोई सीरियल कर रहे हैं, तो आप कम मेहनत करेंगे। अभिनेत्री ने आगे कहा, ' मुझे लगता है कि मेकर्स को फर्क पता होता है। यह मेकिंग से आता है, चाहे वह डायलॉग्स में हो, किसी चीज को लिखने के तरीके में या खुद मीडियम में, लेकिन एक आर्टिस्ट के लिए, यह बस वह काम है जो वे कर रहे हैं। '

अभिनेत्री का कहना है कि वह अभिनेत्री होने के नाते किसी भी प्रोजेक्ट में अपना बेस्ट देने की कोशिश करती हैं। फिर, चाहे वह फिल्म, सीरियल हो या वेब सीरीज।

अभिनेत्री अश्मिता बख्शी टेलीविजन सीरीज '108 बेस हॉस्पिटल - उरी' में आर्मी मेजर/नर्स अनीता सोलंकी के किरदार में नजर आ रही हैं, जो युद्ध या संघर्ष वाले क्षेत्र में तैनात सैन्य डॉक्टरों और मेडिकल स्टाफ का हिस्सा हैं। उनके साथ स्मिता बंसल भी शो में नर्स की भूमिका निभा रही हैं।

न्यूज ब्रीफ

एआई दुनिया पर कब्जा कर लेगा,ट्रंप ने दावों को बताया अफवाह

वॉशिंगटन: अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से मानवता खत्म होने की बातों को अफवाह बताया है। उन्होंने उन दावों को झूठा करार दिया है जिनमें कहा गया है कि एआई दुनिया पर कब्जा कर लेगा और मानवता को खत्म कर देगा। ट्रंप ने सोमवार को ट्रुथ सोशल पर लिखा, एआई का दुनिया पर कब्जा करना, इंसानियत को खत्म करना और ऐसी ही दूसरी बुरी बातें , ये सब एक अफवाह है।

ट्रंप ने फिनलैंड में एआई अवसंरचना में निवेश करने के गूगल के फैसले पर भी नाखुशी जताई, क्योंकि कंपनी को अमेरिका में अनुमति लेने की प्रक्रिया बहुत मुश्किल लगती है। ट्रंप ने लिखा, मैं इससे खुश नहीं हूं और चाहता हूं कि वे अपनी सोच बदलें। गूगल ने गत नौ सितंबर को फिनलैंड में डिजिटल अवसंरचना में कम से कम 13 अरब यूरो का निवेश करने की योजना की घोषणा की थी।

आतंकी मसूद अजहर पर इनाम बढ़ाकर किया 70 लाख, एफएटीएफ मीटिंग से पहले पाक का नया पैंतरा

एजेंसी/ इस्लामाबादः पाकिस्तान ने जैश-ए-मोहम्मद के प्रमुख मसूद अजहर पर इनाम बढ़ाकर 70 लाख पाकिस्तानी रुपए कर दिया है। पाकिस्तान की फेडरल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एफआईए) ने आतंकियों की नई रेड बुक में अजहर को भगोड़ा घोषित किया है। यह कार्रवाई अक्तूबर में होने वाली फायनांशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) की बैठक से पहले हुई है। एफआईए ने अजहर पर पहले घोषित इनाम में 20 लाख पाकिस्तानी रुपए की बढ़ोतरी की है। एजेंसी ने 2021 में उस पर 50 लाख पाकिस्तानी रुपए का इनाम रखा था।

करीब पांच साल बाद अब इसे बढ़ाया गया है। बता दें कि पाकिस्तान पहले एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट में रह चुका है। इस दौरान उस पर आतंकी फंडिंग और मनी लॉन्ड्रिंग के खिलाफ कार्रवाई करने का अंतरराष्ट्रीय दबाव था। अक्तूबर 2022 में एफएटीएफ ने पाकिस्तान को ग्रे लिस्ट से बाहर कर दिया था। अब अक्तूबर में एफएटीएफ की प्लेनरी बैठक होने वाली है। ऐसे में मसूद अजहर जैसे आतंकी के खिलाफ कार्रवाई की घोषणा पाकिस्तान के लिए अहम मानी जा रही है। इससे वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यह दिखाने की कोशिश कर सकता है कि वह आतंकवाद और आतंकी फंडिंग के खिलाफ कदम उठा रहा है।

एलएसी पर चीन को पीछे हटाने पड़े सैनिक, भारतीय सेना की आक्रामक घेराबंदी के बाद ड्रैगन के तेवर ढीले

नई दिल्लीः गलवान घाटी में हुई हिंसा के करीब सात साल बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की द्विपक्षीय वार्ता के बाद अब एलएसी से भारत के लिए बेहद अहम खबर सामने आई है। रक्षा मंत्रालय की एक रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय सेना की आक्रामक घेराबंदी और 10 कंबाइंड आर्म्स ब्रिगेड की तैनाती के बाद चीन के तेवर ढीले पड़ गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक भारत की घेराबंदी के बाद अब चीनी सेना ने अपने सैनिकों को पीछे खींच लिया है। यह खुलासा रक्षा मंत्रालय की 2025-26 की ताजा रिपोर्ट में हुए हैं। इसके मुताबिक उत्तरी सीमाओं पर चीन के पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) ने अपने सैनिकों की तैनाती में भारी कटौती की है। यह इसीलिए भी अहम है कि क्योंकि हाल ही में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग भारत पहुंचे थे। इस दौरान पीएम मोदी और जिनपिंग के बीच द्विपक्षीय बैठक भी हुई। यह जून 2020 में लद्दाख की गलवान घाटी में हुई हिंसा के बाद दोनों की पहली द्विपक्षीय वार्ता थी।

रिपोर्ट में सेना का जलवाः रिपोर्ट के मुताबिक भारत ने एलएसी पर 10 ऐसी विशेष ब्रिगेड तैनात की हैं, जो एक साथ कई मोर्चों पर हमला करने में सक्षम हैं। एक ब्रिगेड में करीब 3,000 जवान होते हैं। इस विशेष कंबाइंड आर्म्स यूनिट में सैनिक, टैंक, तोप और एयर डिफेंस एक ही कमान के तहत काम करते हैं। सेना की इस घेराबंदी के बाद चीन को एलएसी और अपने पारंपरिक ट्रेनिंग इलाकों से सैनिक पीछे हटाने पर मजबूर होना पड़ा है। कूटनीति भी आई कामः रिपोर्ट में बताया गया है कि सीमा पर सैन्य मजबूती के साथ-साथ कूटनीतिक बातचीत से भी हालात सुधरे हैं। दोनों पक्षों के सैन्य अधिकारियों के बीच कई दौर की सीधी वार्ता हुई है। वहीं अगस्त 2025 में चीन में शंघाई सहयोग संगठन में शीर्ष नेताओं की मुलाकातों से संबंधों में जमी बर्फ पिघली है। रिपोर्ट में यह भी कहा है कि एलएसी के सभी सेक्टर में सेना किसी भी चुनौती से निपटने को तैयार है।

राष्ट्रीय इंजीनियर दिवसः पीएम मोदी ने भारत रत्न विश्वेश्वरैया को दी श्रद्धांजलि, कहा-

'सपनों को हकीकत में बदलते हैं इंजीनियर '

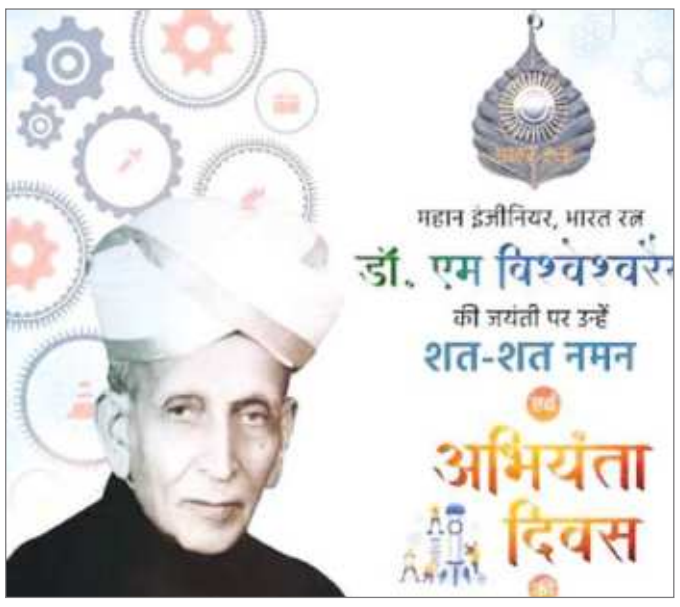

नई दिल्लीः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को 'राष्ट्रीय इंजीनियर दिवस' के मौके पर महान भारतीय इंजीनियर और राजनेता सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया को श्रद्धांजलि दी। इसके साथ ही बेहतर भविष्य के लिए निर्माण, इनोवेशन और समाधान तैयार करने में इंजीनियरों के योगदान की सराहना की।

प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर देश भर के इंजीनियरों को बधाई दी और विश्वेश्वरैया को श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रधानमंत्री ने कहा, 'सभी बेहतरीन इंजीनियरों को इंजीनियर्स डे की बधाई। वे लोग जो बेहतर कल के लिए निर्माण करते हैं, नई चीजें बनाते हैं और समाधान देते हैं। सर एम. विश्वेश्वरैया को श्रद्धांजलि, जिनकी इंजीनियरिंग की प्रतिभा और राष्ट्र-निर्माण की सोच आज भी प्रेरित करती है।'

पीएम मोदी ने एक वीडियो भी शेयर किया जिसमें उन्होंने विचारों और आकांक्षाओं को ठोस उपलब्धियों में बदलने में इंजीनियरों की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्हें देश की प्रगति के लिए काम करने वाले 'कर्मयोगी' बताया।

'इंजीनियर केवल मशीनें नहीं बनाते': उन्होंने कहा, 'इंजीनियर केवल मशीनें नहीं बनाते। वे कर्मयोगी हैं जो सपनों को हकीकत में बदलते हैं। मैं भारत के हर इंजीनियर की सराहना और प्रशंसा करता हूं। भारत में ऐसे कई इंजीनियर हुए हैं जिन्होंने अकल्पनीय को कल्पनीय में बदल दिया और ऐसे कारनामे किए जिन्हें इंजीनियरिंग की दुनिया में चमत्कार माना जाता है।'

वीडियो में, प्रधानमंत्री ने विश्वेश्वरैया की शानदार विरासत और भारत की इंजीनियरिंग विरासत में उनके योगदान को भी याद किया। पीएम मोदी ने आगे कहा, 'महान इंजीनियरों की हमारी गौरवशाली विरासत में हमें एक अनमोल रत्न भी मिला, जिसके काम आज भी लोगों को आश्चर्यचकित करते हैं और वे थे भारत रत्न डॉ. एम विश्वेश्वरैया। उनके नक्शेकदम पर चलते हुए, हमारे देश के इंजीनियरों ने पूरी दुनिया में अपनी एक अलग पहचान बनाई है।'

क्यों मनाया जाता है राष्ट्रीय इंजीनियर दिवस? : पूरे भारत में हर साल 15 सितंबर को 'राष्ट्रीय इंजीनियर दिवस' मनाया जाता है। यह दिन देश के प्रमुख सिविल इंजीनियर और जाने-माने राजनेता सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है, जिनके इंजीनियरिंग और राष्ट्र-निर्माण में दिए गए योगदान को आज भी याद किया जाता है।

कौन थे मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया? : 15 सितंबर 1861 को जन्मे विश्वेश्वरैया, जिन्हें 'एमवी.' से भी जाना जाता है। उन्हें व्यापक रूप से 'आधुनिक मैसूर का जनक' माना जाता है। उन्होंने सार्वजनिक बुनियादी ढांचे की प्रमुख परियोजनाओं के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। भारत में इंजीनियरिंग उत्कृष्टता के एक स्थायी प्रतीक बन गए। सार्वजनिक परियोजनाओं, इंजीनियरिंग और समाज में उनके असाधारण योगदान के लिए विश्वेश्वरैया को 1955 में भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत रत्न' से सम्मानित किया गया था। उन्होंने मैसूर में कृष्ण राजा सागर बांध के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और बाढ़ से बचाव की जटिल प्रणालियों को डिजाइन करने और लागू करने में भी अहम भूमिका निभाई। भारत सरकार ने इंजीनियरिंग और राष्ट्र-निर्माण में विश्वेश्वरैया के असाधारण योगदान को देखते हुए 1968 में आधिकारिक तौर पर 15 सितंबर को राष्ट्रीय इंजीनियर्स डे घोषित किया।

गुरुग्राम हिट एंड रनः पुलिस ने आरोपी को राजस्थान से किया गिरफ्तार, केस में हत्या के प्रयास की धारा भी जोड़ी,5

गुरुग्राम : हिट एंड रन केस में गुरुग्राम पुलिस ने आरोपी को पकड़ लिया है। सूत्रों के मुताबिक, पुलिस ने उसे राजस्थान के दौसा के राजगढ़ से गिरफ्तार कर लिया है। क्राइम ब्रांच की तीन टीमें आरोपी की तलाश में छापेमारी कर रही थी। वहीं, केस में पुलिस ने हत्या के प्रयास की धारा जोड़ी है। पुलिस ने वीडियो और सीसीटीवी फुटेज की जांच के आधार पर केस में हत्या के प्रयास की धारा 109 बीएनएस भी जोड़ दी है। घटना रविवार को गुरुग्राम के गोल्फ कोर्स रोड पर हुई थी। बाइक राइडर सिया अन्य बाइकर्स के साथ अपनी अप्रिलिया आरएस 457 स्पोर्ट्स बाइक चला रही थीं। आरोप है कि इसी दौरान एक कार उनका पीछा करने लगी थी। बाद में इसी कार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी थी। बाइक राइडर सिया ने अपने वीडियो में इस घटना को जानबूझकर की गई कार्रवाई बताया है।

गोल्फ कोर्स रोड पर एक महिला बाइकर को कार सवार युवक ने टक्कर मारकर घायल कर दिया। हादसे में स्पोर्ट्स बाइक कई मीटर दूर तक घिसटती चली गई। टक्कर मारने के बाद कार चालक फरार हो गया था। पुलिस ने वायरल वीडियो के आधार पर सोमवार को प्राथमिकी दर्ज की। अब पुलिस ने आरोपी को राजस्थान से हिरासत में लिया है।

आरोपी कल्याण बैंसला ने मानी गलतीः सोमवार को आरोपी कल्याण बैंसला ने अपनी गलती स्वीकार की थी। हालांकि, उसने जानबूझकर टक्कर मारने के आरोप से इनकार किया था। बैंसला ने खुद को अंतरराष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी और जिम संचालक बताया था। उसने कहा था कि यू-टर्न के पास कार से उसका नियंत्रण खो गया था।

बैंसला ने यह भी दावा किया कि उसे डर था कि बाइक सवारों का समूह उसे और उसके परिवार को पीट सकता है। इसी डर के कारण वह घटनास्थल से चला गया था। विवाद बढ़ने के बाद आरोपी ने अपना इंस्टाग्राम अकाउंट भी बंद कर दिया था। उसका यह बयान सिया के आरोपों से बिल्कुल अलग है।

सिया ने कल्याण पर लगाए आरोपः सिया ने अपने नए इंस्टाग्राम वीडियो में आरोपी कार चालक कल्याण बैंसला पर गंभीर आरोप लगाए हैं। सिया ने आरोप लगाया कि 'तुम कह रहे हो कि मैं बार-बार स्पीड बढ़ा-घटा रही थी और तुम्हें पिंच कर रही थी। वीडियो साफ दिखाता है कि कौन किसे परेशान कर रहा था। स्पीड बदलने से तुम्हें पूरा रास्ता पीछा करने का हक नहीं मिल जाता। तुम कह रहे हो कि तुम्हें पता भी नहीं था कि लड़की चला रही है। ये संभव नहीं। मेरे बाल लंबे हैं, चोटी बंधी हुई है। तुम पास आए, इशारे किए और बाइक रोकने को कहा।

सिया ने आरोपी कल्याण बैंसला के मीडिया को दिए बयान का जवाब देते हुए कहा कि यदि आपको घटना का पछतावा था तो वह टक्कर मारने के बाद मौके पर क्यों नहीं रुका था? सिया ने पूछा कि 'अगर आपको मेरे लिए दुख हो रहा था तो आप कार से टक्कर मारने के बाद रुके क्यों नहीं? भाग क्यों गए? सिया ने वीडियो में आगे कहा कि मेरी हड्डियां टूट सकती थीं, मेरी जान जा सकती थी।'

अब हिंदी में मिलेगी अहम फैसलों की जानकारी

हिंदी दिवस पर सुप्रीम कोर्ट ने शुरू की हिंदी जन सूचना सेवा

नई दिल्लीः हिंदी दिवस के अवसर पर 14 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट ने हिंदी जन सूचना सेवा शुरू करने की घोषणा की है। इस सेवा के जरिए सुप्रीम कोर्ट के महत्त्वपूर्ण फैसलों और आदेशों का आसान हिंदी सार लोगों तक पहुंचाया जाएगा। इसके अलावा रोजाना 15 से 30 मिनट का हिंदी ऑडियो और वीडियो बुलेटिन भी जारी किया जाएगा। इसमें संबंधित फैसले का आधिकारिक लिंक भी दिया जाएगा। कोर्ट की तरफ से जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि इस पहल का मकसद कानूनी जानकारी को आम लोगों के लिए आसान बनाना है। सरल भाषा के साथ ही ऑडियो और वीडियो उन लोगों के लिए उपयोगी होंगे, जिन्हें लंबे कानूनी दस्तावेज पढ़ने या समझने में कठिनाई होती है। इसे खास तौर पर आम लोगों, वादकारियों और दिव्यांगजनों की सुविधा के लिए शुरू किया जा रहा है। अक्सर अदालतों के फैसले काफी लंबे और कानूनी भाषा में होते हैं। उन्हें समझना हर व्यक्ति के लिए आसान नहीं होता, इसलिए चीफ जस्टिस सूर्यकांत की पहल पर नई हिंदी जन सूचना सेवा शुरू की जा रही है। आगे चलकर इस सेवा को दूसरी भारतीय भाषाओं में भी शुरू किया जाएगा। ध्यान रहे कि इससे पहले भी सुप्रीम कोर्ट न्याय व्यवस्था में भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देने के लिए कदम उठाता रहा है। कोर्ट ने सुवास (सुप्रीम कोर्ट विधिक अनुवाद सॉफ्टवेयर) नाम का एआई आधारित अनुवाद सॉफ्टवेयर विकसित किया है।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले अब सुनकर भी समझ सकेंगेः सुप्रीम कोर्ट की जन सूचना सेवा शुरू करने की घोषणा के तहत कोर्ट के बड़े फैसलों और आदेशों का सार आसान हिंदी में छोटे ऑडियो और वीडियो बुलेटिन के जरिए लोगों तक पहुंचाया जाएगा। यानी जिन लोगों को कानूनी भाषा में लिखे फैसले पढ़ने और समझने में परेशानी होती है, वे उन्हें सुनकर और देखकर भी समझ सकेंगे। इस पहल का मकसद सुप्रीम कोर्ट के फैसलों को आम लोगों की समझ में लाना है।

भारत में सख्ती के बाद झुका मेटा, बाल यौन शोषण से जुड़े मामलों की जानकारी एजेंसियों को देगा

नई दिल्लीः बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा को लेकर केंद्र सरकार की सख्ती के बीच फेसबुक की पैरेंट कंपनी मेटा ने बाल यौन शोषण से जुड़े मामलों की रिपोर्ट कानून प्रवर्तन एजेंसियों को देने पर सहमति जताई है। सरकार की ओर से स्पष्ट किया गया है कि भारत में काम करने वाले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के लिए बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा एक बुनियादी जिम्मेदारी है और इससे किसी भी कीमत पर समझौता नहीं किया जा सकता।

अधिकारियों के मुताबिक, सरकार हानिकारक सामग्री के प्रसार को रोकने के लिए लगातार सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के संपर्क में है। बच्चों को ऑनलाइन सुरक्षित बनाने की दिशा में शुरूआती कदम के तौर पर मेटा अब बाल सुरक्षा से जुड़े मामलों की रिपोर्ट कानून प्रवर्तन एजेंसियों को उपलब्ध कराएगा। हालांकि, अधिकारियों का कहना है कि बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अभी और कदम उठाने की जरूरत है।

सूत्रों के अनुसार, केंद्र सरकार अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के साथ भी लगातार बातचीत कर रही है, ताकि बच्चों से संबंधित हानिकारक सामग्री की पहचान कर उसे जल्द हटाया जा सके। सरकार ने संकेत दिया है कि बच्चों की सुरक्षा के लिए सक्रिय कदम नहीं उठाने वाले प्लेटफॉर्म्स के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब केंद्र सरकार डिजिटल प्लेटफॉर्म्स की जवाबदेही तय करने पर लगातार जोर दे रही है। सरकार यह सुनिश्चित करना चाहती है कि ऑनलाइन कंपनियां बच्चों को प्रभावित करने वाली हानिकारक सामग्री को रोकने के लिए पर्याप्त और प्रभावी कदम उठाएं।

राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने बाल यौन शोषण और दुर्व्यवहार सामग्री से जुड़े कथित विज्ञापनों की जांच के सिलसिले में 9 सितंबर को मेटा इंडिया के प्रतिनिधियों को तलब किया था। आयोग ने एक मीडिया रिपोर्ट का संज्ञान लिया था, जिसमें मेटा के स्वामित्व वाले प्लेटफॉर्म्स पर कथित बाल यौन शोषण और दुर्व्यवहार सामग्री से जुड़े विज्ञापन चलाए जाने का खुलासा हुआ था।

इन आरोपों पर स्पष्टीकरण मांगते हुए आयोग ने जुलाई में मेटा को नोटिस जारी किया था। मेटा ने नोटिस मिलने के करीब एक सप्ताह बाद आयोग को अपना जवाब सौंप दिया था।

वहीं, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने दिल्ली पुलिस को उन आरोपों की व्यापक जांच करने का निर्देश दिया है, जिनमें दावा किया गया था कि मेटा के स्वामित्व वाले इंस्टाग्राम पर पेड विज्ञापनों के जरिए भारत में उरएअट को बढ़ावा दिया जा रहा है। एनएचआरसी ने पुलिस से यह भी जांचने को कहा है कि क्या मेटा और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम के तहत निर्धारित अनिवार्य रिपोर्टिंग दायित्वों का पालन कर रहे हैं या नहीं।

लॉरेंस गैंग के करीबी कर्मवीर देओ पर पंजाब पुलिस का शिकंजा, कनाडा से डिपोर्ट होकर दिल्ली पहुंचते ही गिरफ्तार

नई दिल्लीः कनाडा से भारत डिपोर्ट किए गए गैंगस्टर कर्मवीर देओ को पंजाब पुलिस ने दिल्ली एयरपोर्ट से गिरफ्तार कर लिया है। कर्मवीर को लॉरेंस बिश्नोई गैंग का करीबी बताया जाता है। आरोप है कि वह विदेश में रहकर गैंग के सदस्यों को पनाह और अन्य तरह की मदद मुहैया कराता था। पंजाब पुलिस ने उसके खिलाफ पहले ही लुकआउट सर्कुलर जारी किया हुआ था। कनाडा से भारत पहुंचते ही पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया। कर्मवीर देओ पर लॉरेंस बिश्नोई के भाई अनमोल बिश्नोई को भारत से फरार होने में मदद करने का आरोप है। बताया जाता है कि अनमोल अमेरिका में कर्मवीर के घर पर भी रुका था। अनमोल का अमेरिका में पंजाबी गायकों के साथ डांस और पार्टी करते हुए एक वीडियो वायरल हुआ था। दावा किया गया था कि यह वीडियो कर्मवीर के घर का है। इसके बाद अनमोल को पनाह देने में कर्मवीर की भूमिका को लेकर भी सवाल उठेंगे। आरोप है कि कर्मवीर की भूमिका केवल अनमोल बिश्नोई को अपने घर पर ठहराने तक सीमित नहीं थी। बताया जाता है कि अमेरिका पहुंचने वाले लॉरेंस बिश्नोई गैंग के सदस्यों को वह शेल्टर उपलब्ध कराता था। इसके अलावा गैंग से जुड़े लोगों को कानूनी मदद मुहैया कराने में भी उसकी भूमिका बताई जाती है। जांच एजेंसियां विदेश में गैंग के सदस्यों के लिए ठहरने और कानूनी सहायता की व्यवस्था करने में उसकी कथित भूमिका की जांच कर सकती हैं। अमेरिका में लॉरेंस बिश्नोई गैंग के खिलाफ एफबीआई की कार्रवाई शुरू होने के बाद कर्मवीर देओ के कनाडा शिफ्ट होने की बात सामने आई थी। इससे पहले वह अमेरिका में गैंग से जुड़े लोगों को मदद पहुंचाने के आरोपों को लेकर चर्चा में आया था। कनाडा पहुंचने के बाद भी उसका नाम गैंग की गतिविधियों से जुड़ता रहा। अब कनाडा से डिपोर्ट किए जाने के बाद पंजाब पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। कनाडा में पंजाबी गायक एपी ढिल्लों के घर पर हुई फायरिंग के मामले में भी कर्मवीर देओ का नाम सामने आया था। इस मामले में लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े लोगों के नाम सामने आने के बाद कर्मवीर की कथित भूमिका को लेकर जांच की बात सामने आई थी। हालांकि, उपलब्ध जानकारी में फायरिंग की घटना में उसके खिलाफ लगाए गए आरोपों और उसकी कथित भूमिका का पूरा विवरण स्पष्ट नहीं है।

बिजली संकट पर पंजाब में उबाल

सड़क पर उतरे किसान-उद्योगपति, सरकार ने पावरकॉम सीएमडी को हटाया, सियासत भी गरम

पटियालाः पंजाब में बिजली कटौती को लेकर हाहाकार मच गया है। बिजली कटों से परेशान लोगों सड़कों पर उतर आए। वहीं राजनीतिक दलों ने भी सरकार का विरोध किया। लगातार बढ़ते विरोध के बीच सरकार ने पीएस सीसीएल के सीएमडी आईएएस बसंत गर्ग को हटा दिया और उनकी जगह गुरकीरत किरपाल सिंह को नया सीएमडी नियुक्त कर दिया।

सरकार का दावा-संकट खत्मः वहीं विरोध के बीच बिजली मंत्री तरुणप्रीत सिंह सौंद ने दावा किया कि पंजाब ने बिजली संकट पर काबू पा लिया है। 13 सितंबर सुबह सात बजे से बिजली की कमी के कारण कोई कट नहीं लगाया गया और आवासीय, वाणिज्यिक, औद्योगिक तथा कृषि क्षेत्र को 24 घंटे बिजली मिल रही है।

सौंद के अनुसार, दो निजी ताप विद्युत संयंत्रों की तकनीकी खराबियां दूर कर दी गई हैं और एक अन्य निजी प्लांट से करीब 100 मेगावाट बिजली मिलनी शुरू हो गई है। किसानों को सिंचाई के लिए आठ के बजाय 10 घंटे बिजली देने का भी दावा किया गया। उन्होंने बिजली संकट के लिए केंद्र से कोयले में कटौती और पंजाब के हिस्से की करीब 1,000 मेगावाट बिजली नहीं मिलने को भी कारण बताया। मंत्री ने कहा कि राज्य के पास करीब 17,000 मेगावाट तक की मांग पूरी करने की क्षमता है।

जगह-जगह फूटा गुस्साः सोमवार को पटियाला में पावरकॉम मुख्यालय की ओर बढ़ रहे कांग्रेसियों को रोकने के लिए पुलिस ने पानी की बौछारें मारीं और प्रदेश कांग्रेस प्रधान अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग समेत कई नेताओं को हिरासत में लिया। जगरांव में किसानों ने चार घंटे धरना देने के बाद जगरांव-जालंधर मार्ग जाम कर दिया। फरीदकोट में भी किसानों ने पावरकॉम कार्यालय का घेराव किया। लुधियाना में डाइंग उद्योगपतियों ने वर्धमान चौक पर लुधियाना-चंडीगढ़ रोड जाम किया। उन्होंने रोजाना करीब 14 घंटे बिजली कटौती का आरोप लगाया। उद्योगपतियों के अनुसार इससे उत्पादन प्रभावित हो रहा है और श्रमिक फैक्टरियां छोड़ रहे हैं। उन्होंने बिजली की दर करीब आठ से बढ़कर 9.50 रुपये प्रति यूनिट होने और एक फैक्टरी का बिल 15 लाख से बढ़कर 18 लाख रुपये तक पहुंचने का दावा किया। रिकॉर्ड 17,405 मेगावाट मांग, 1,478 मेगावाट उत्पादन ठपः पंजाब में सोमवार को बिजली की मांग 17,405 मेगावाट के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। 18 जुलाई को 17,452 मेगावाट की सर्वाधिक मांग दर्ज हुई थी। मांग के दबाव के बीच करीब 1,478 मेगावाट उत्पादन क्षमता प्रभावित रही। रोपड़, लहरा मोहब्बत और तलवंडी साबो थर्मल की कुछ इकाइयां कम क्षमता पर चलीं, जबकि पानी की कमी से हाइडल की पांच इकाइयां बंद रहीं।

न्यूज IN ब्रीफ

महाराष्ट्र मण्डल द्वारा आयोजित श्रीगणेश उत्सव पूजा में शामिल हुये मुख्यमंत्री

पटना : मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी महाराष्ट्र मण्डल द्वारा सरपेंटाईन रोड, दारोगा प्रसाद राय पथ पटना में आयोजित श्रीगणेश उत्सव पूजा में शामिल हुये। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने विधिवत पूजा-अर्चना कर भगवान श्रीगणेश से प्रदेशवासियों की सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की। महाराष्ट्र मण्डल के सदस्यों द्वारा मुख्यमंत्री को पुष्प-गुच्छ, अंगवस्त्र एवं स्मृति चिह्न भेंटकर उनका स्वागत किया गया। साथ ही उन्हें पगड़ी भी पहनाया गया। मुख्यमंत्री ने श्रीगणेश उत्सव पूजा के आयोजन के लिये महाराष्ट्र मण्डल के सदस्यों को बधाई दी।

मुख्यमंत्री ने गणेश चतुर्थी के अवसर पर शुभकामनायें देते हुये कहा कि भगवान श्रीगणेश सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और सफलता प्रदान करें तथा बिहार निरंतर विकास के पथ पर आगे बढ़े।

इस अवसर पर सिविल विमानन विभाग के सचिव डॉ० नीलेश रामचन्द्र देवरे, डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग के सचिव श्री शीर्षत कपिल अशोक, मुख्यमंत्री सचिवालय के संयुक्त सचिव श्री श्रीकांत कुंडलिक खांडेकर सहित महाराष्ट्र मण्डल के सदस्य, अन्य गणमान्य व्यक्ति एवं श्रद्धालुगण उपस्थित थे।

मां दुर्गा की भक्ति से मिलती है शक्ति : भोला पांडेय

चैनपुर (पनेरी बांध) : गणेश चतुर्थी एवं हरितालिका तीज के पावन अवसर पर चैनपुर प्रखंड अंतर्गत झरीवा पंचायत के ग्राम पनेरी बांध में शिव शक्ति दुर्गा पूजा समिति कार्यालय का विधिवत शुभारंभ किया गया। कार्यालय का उद्घाटन सांसद प्रतिनिधि भोला पांडेय एवं चैनपुर थाना प्रभारी लाल जी कुमार ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। इस अवसर पर समिति के सदस्यों एवं ग्रामीणों ने अतिथियों का पारंपरिक तरीके से स्वागत किया।

धार्मिक आयोजन से बढ़ता है आपसी भाईचारा : भोला पांडेय

उद्घाटन समारोह के उपरांत आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए सांसद प्रतिनिधि भोला पांडेय ने कहा कि ह्लमां जगत जननी की भक्ति से शक्ति मिलती है।ह्व धार्मिक अनुष्ठान एवं पूजा-पर्व हमारी संस्कृति और आस्था के प्रतीक हैं। ऐसे आयोजन समाज में एकजुटता, आपसी प्रेम, भाईचारे तथा सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं।

उन्होंने शिव शक्ति दुर्गा पूजा समिति द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि पूजा-पर्व का आयोजन श्रद्धा, समर्पण एवं सामाजिक सहभागिता के साथ किया जाना चाहिए। उन्होंने समिति के सदस्यों को आगामी दुर्गा पूजा के सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं तथा हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया।

शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में त्योहार मनाने की अपील

वहीं, चैनपुर थाना प्रभारी लाल जी कुमार ने उपस्थित ग्रामीणों एवं श्रद्धालुओं को गणेश चतुर्थी, हरितालिका तीज एवं आगामी दुर्गा पूजा की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि त्योहार आपसी प्रेम, भाईचारे एवं सद्भाव का संदेश देते हैं। सभी लोग पर्व को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं कानून-व्यवस्था के दायरे में रहकर मनाएं।

थाना प्रभारी ने ग्रामीणों से अपील की कि किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें और शांति व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस प्रशासन का सहयोग करें। उन्होंने आश्वस्त किया कि पर्व के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहे

इस अवसर पर मुख्य रूप से उपस्थित मुखिया पति दिनेश पासवान पूर्व मुखिया विश्वनाथ राम अखिलेश पाठक सरवन सोनी प्रवीन पाठक समाज सेवी विनेस प्रसाद अनिल शर्मा अमित अग्रवाल शेखर पाठक विकास पाठक पप्पू बैठा देवमणि कुमार तथा शिव शक्ति दुर्गा पूजा समिति के पदाधिकारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि, श्रद्धालु एवं ग्राम पनेरी बांध के बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। पूरे कार्यक्रम का आयोजन भक्तिमय एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

मुख्यमंत्री ने भारत रत्न डॉ मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया के जन्म दिवस पर नमन किया

पटना : राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) सैयद अता हसनैन एवं मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी ने भारत रत्न डॉ० मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया जी के जन्म दिवस के अवसर पर विश्वेश्वरैया भवन परिसर में आयोजित राजकीय समारोह में स्व० डॉ० मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया जी की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी, कृषि मंत्री श्री विजय कुमार सिन्हा, सहकारिता मंत्री श्री रामकृपाल यादव, विज्ञान, प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री श्रीमती शीला कुमारी, विधान पार्षद श्री संजय कुमार सिंह उर्फ गांधी जी, अन्य जनप्रतिनिधिगण सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने भी भारत रत्न स्व० डॉ० मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया जी की आदमकद प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर सूचना एवं जन-सम्पर्क विभाग के कलाकारों द्वारा आरती पूजन, भजन कीर्तन, राष्ट्रीय गीत, राष्ट्र गान, बिहार गीत एवं देशभक्ति गीत के कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये।

गढ़वा के जंगलों में मिला बाघ का पगमार्क, वन विभाग कर रहा है ट्रेकिंग

संवाददाता

गढ़वा : जिले के जंगल में बाघ का पगमार्क मिलने पर वन विभाग एलर्ट हो गया है। बाघ को ट्रैप के लिए वन विभाग ने कैमरा लगाया है। पलामू टाइगर रिजर्व से सटे गढ़वा के रमकंडा और भंडरिया जंगल में बाघ की मौजूदगी है। इसे लेकर गढ़वा डीएफओ ने लोगों को सतर्क रहने की सलह दी है।

ट्रैप कैमरा से हो रही है निगरानी

झारखंड के गढ़वा जिले के जंगलों में इन दिनों बाघ का दहशत है। गढ़वा जिले के जंगलों में पड़ने वाले पलामू टाइगर रिजर्व (ढळफ) से सटे रंका, रमकंडा, भंडरिया और बड़गड़ चार प्रखंडों के वन क्षेत्र में बाघ की मौजूदगी की पुष्टि डीएफओ ने की है। जंगल में निकले वन कर्मियों को पगमार्क मिलने और पूर्व में मवेशियों के शिकार के प्रमाण के आधार पर वन विभाग ने बाघ की गतिविधि की पुष्टि की। इसके बाद संभावित इलाकों के जंगलों के पेड़ों में कैमरा ट्रैप लगाकर निगरानी बढ़ा दी गयी है।

अनावश्यक ग्रामीण जंगल में न जाएः डीएफओ

गढ़वा डीएफओ एबीन बेनी अब्राहम ने बताया कि रंका, भंडरिया, बढ़गढ़ और रमकंडा क्षेत्र में बाघ की मौजूदगी की सूचना मिली थी। पगमार्क की जांच के बाद इसकी पुष्टि हुई है। हालांकि अभी बाघ कैमरा ट्रैप में कैद नहीं हुआ है। वन विभाग ने ग्रामीणों से सुबह और शाम के समय जंगल नहीं जाने तथा अनावश्यक रूप से जंगल में प्रवेश करने से बचने की अपील की है। ग्रामीणों से बाघ की गतिविधि की जानकारी मिलने पर तत्काल वन विभाग को सूचना देने को कहा गया है।

जमशेदपुर में बच्चों के लिए ड्राइंग प्रतियोगिता 20 को

जमशेदपुर : बच्चों की रचनात्मकता और कलात्मक प्रतिभा को निखारने के उद्देश्य से रानी एडवेंचर एंड वेलफेयर ट्रस्ट (स्वर्णरेखा क्षेत्र विकास ट्रस्ट) द्वारा आगामी 20 सितंबर को एल 4/1, कटनी रोड,एडीएम डायलिसिस सेंटर के पीछे बारीडीह में एक भव्य चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य बच्चों को अपनी कल्पना और कला को ड्राइंग शीट पर उतरने के लिए शानदार मंच प्रदान करना है संस्था की ओर से शहर के बच्चे और युवाओं से इस आयोजन हिस्सा लेने की अपील की गई।

बिट्टू पाठक व सूर्य सिंह की मुलाकात पलामू में खेल के विकास पर की चर्चा

मेट्रोरेज संवाददाता

मेदिनीनगर : पलामू जिला बॉक्सिंग एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष जैश रंजन पाठक उर्फ बिट्टू पाठक ने आज हुसैनाबाद विधानसभा के युवा नेता सूर्या सिंह से मुलाकात की। इस अवसर पर दोनों नेताओं के बीच पलामू जिले में बॉक्सिंग खेल के विकास एवं विस्तार को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में विशेष रूप से ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में छिपी खेल प्रतिभाओं को खोजने, उन्हें उचित प्रशिक्षण उपलब्ध कराने तथा राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करने की आवश्यकता पर बल दिया गया।

चर्चा के दौरान कहा गया कि पलामू जिले में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। यहां के युवा खिलाड़ियों में क्षमता, उत्साह और संघर्ष की भावना भरपूर है, लेकिन संसाधनों और अवसरों के अभाव में कई प्रतिभाएं आगे नहीं बढ़ पाती हैं। ऐसे में जिला स्तर पर नियमित प्रशिक्षण शिविर, प्रतियोगिताएं एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर युवाओं को खेलों से जोड़ना समय की आवश्यकता है। बॉक्सिंग जैसे खेल न केवल खिलाड़ियों को शारीरिक रूप से मजबूत बनाते हैं, बल्कि उनमें अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और सकारात्मक सोच का भी विकास करते हैं।

जैश रंजन पाठक ने कहा कि पलामू जिला बॉक्सिंग एसोसिएशन जिले के सभी प्रखंडों और पंचायतों तक बॉक्सिंग खेल को पहुंचाने के लिए लगातार प्रयासरत है। उन्होंने बताया कि आने वाले दिनों में विभिन्न क्षेत्रों में प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन कर नए खिलाड़ियों को अवसर प्रदान किया जाएगा। वहीं सूर्या सिंह ने भी इस पहल का स्वागत करते हुए हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया और कहा कि खेल युवाओं को सही दिशा देने का सशक्त माध्यम है।

मुलाकात के अंत में दोनों ने पलामू में बॉक्सिंग को नई पहचान दिलाने, ग्रामीण प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने तथा अधिक से अधिक युवाओं को खेल गतिविधियों से जोड़ने के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया। यह पहल निश्चित रूप से जिले में खेल संस्कृति को मजबूत करने और नई प्रतिभाओं को उभरने का अवसर प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

चक्रधरपुर के मुनी बाबा धर्मशाला में 80 वर्षों से विराजमान हैं भगवान गणेश

बी एम न्यूज के संपादक विनय मिश्रा ने की पूजा-अर्चना

संवाददाता

चक्रधरपुर : शहर के ऐतिहासिक एवं धार्मिक धरोहर के रूप में प्रसिद्ध मुनी बाबा धर्मशाला में स्थापित भगवान गणेश की प्रतिमा के दर्शन एवं पूजा-अर्चना के लिए बीएम न्यूज के संपादक विनय मिश्रा पहुंचे। उन्होंने विधि-विधान के साथ भगवान गणेश की पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि एवं शांति की कामना की।

इस अवसर पर विनय मिश्रा ने कहा कि चक्रधरपुर की ऐतिहासिक पहचान और धार्मिक आस्था से जुड़ा मुनी बाबा धर्मशाला आज भी लोगों के लिए श्रद्धा का प्रमुख केंद्र है। यहां वर्ष 1946 से गणेश पूजा का आयोजन होता आ रहा है, जो अपने आप में एक गौरवपूर्ण ऐतिहासिक परंपरा है। उन्होंने कहा कि भगवान गणेश की प्रतिमा की स्थापना और पूजा परंपरा को करीब 80 वर्ष पूरे हो चुके हैं। इतने लंबे समय से लगातार गणेश पूजा का आयोजन होना चक्रधरपुर के लिए गौरव और उपलब्धि की बात है। यह परंपरा शहर की धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत को मजबूत करती है।विनय मिश्रा ने गणेश पूजा आयोजन समिति के सदस्यों और आयोजकों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि उनकी एकजुटता, समर्पण और सकारात्मक प्रयासों के कारण हर वर्ष गणेश पूजा का आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया जाता है। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु भगवान गणेश के दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए पहुंचते हैं।

उन्होंने कहा कि मुनी बाबा धर्मशाला जैसे ऐतिहासिक स्थलों और यहां वर्षों से चली आ रही धार्मिक परंपराओं को संरक्षित रखना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। चक्रधरपुर की यह ऐतिहासिक धरोहर आने वाली पीढ़ियों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनी रहे, यही कामना है।

हरितालिका तीज पर महिलाओं ने रखा व्रत, शिव-पार्वती की पूजा कर मांगा पति की दीर्घायु का आशीर्वाद

संवाददाता

हरितालिका तीज के अवसर पर सोमवार को महिलाओं ने अपने पति की लंबी उम्र एवं सुख-समृद्धि की कामना को लेकर तीज व्रत रखा और विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। इस दौरान महिलाओं ने भगवान शिव और माता पार्वती की आराधना कर अपने परिवार की सुख-शांति की कामना की। स्थानीय बाटा रोड स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर में हरितालिका तीज को लेकर विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन किया गया। मंदिर परिसर में बड़ी संख्या में महिलाएं पहुंचीं और श्रद्धापूर्वक भगवान शिव एवं माता पार्वती की पूजा की।

क्रूस टोंगरी जपलांग में धूमधाम से मनाया गया पवित्र क्रूस विजय परब

संवाददाता

ठेठईटांगर/ सिमडेगा : प्रखंड ठेठईटांगर अंतर्गत पंचायत कोरोमियां के ग्राम जपलांग स्थित क्रूस टोंगरी में सोमवार को क्रूस विजय परब श्रद्धा, आस्था और उल्लास के साथ धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण एवं श्रद्धालु शामिल हुए।

इस अवसर पर पुरोहितों द्वारा विधिवत पवित्र मिस्सा बलिदान अर्पित कराया गया। श्रद्धालुओं ने सामूहिक प्रार्थना में शामिल होकर क्षेत्र, समाज एवं परिवारों की सुख-शांति और समृद्धि के लिए प्रार्थना की।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण स्थानीय ग्रामीणों द्वारा प्रस्तुत आदिवासी संस्कृति पर आधारित पारंपरिक नृत्य एवं धार्मिक झांकी रही। पारंपरिक वेशभूषा और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से ग्रामीणों ने अपनी समृद्ध आदिवासी संस्कृति, परंपरा और धार्मिक आस्था की सुंदर झलक प्रस्तुत की। इससे कार्यक्रम स्थल पर उत्साह और भक्तिमय वातावरण देखने को मिला।

इस अवसर पर भारत आदिवासी पार्टी के सिमडेगा जिला अध्यक्ष अमृत चिराग तिर्की भी कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने श्रद्धालुओं एवं आयोजन समिति को क्रूस विजय परब की शुभकामनाएं दीं।

अमृत चिराग तिर्की ने कहा कि क्रूस विजय परब आस्था, प्रेम, शांति, त्याग और मानवता का संदेश देने वाला महत्वपूर्ण पर्व है। ऐसे धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन समाज में आपसी भाईचारा, एकता और सद्भाव को मजबूत करते हैं।

उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज की पहचान उसकी संस्कृति, परंपरा, भाषा, प्रकृति और धार्मिक आस्था से जुड़ी हुई है। स्थानीय ग्रामीणों द्वारा पारंपरिक नृत्य और धार्मिक झांकी के माध्यम से अपनी संस्कृति को प्रस्तुत करना सराहनीय है। हमारी जिम्मेदारी है कि अपनी सांस्कृतिक एवं धार्मिक विरासत को सुरक्षित रखते हुए आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाएं।

उन्होंने कहा कि धर्म और संस्कृति समाज को जोड़ने का कार्य करते हैं। जपलांग के क्रूस टोंगरी में आयोजित यह पर्व सामाजिक एकता, धार्मिक आस्था और आदिवासी सांस्कृतिक विरासत का सुंदर संगम है।

अमृत चिराग तिर्की ने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए पुरोहितों, आयोजन समिति, स्थानीय ग्रामीणों एवं सभी श्रद्धालुओं को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं तथा क्षेत्र में शांति, सद्भाव और आपसी भाईचारा बनाए रखने की अपील की।

कार्यक्रम में जिप सदस्य अजय एक्का, कोरोमिया पंचायत मुखिया रेणुका सोरेंग, ग्राम सभा जोहान बारला, अमित कुल्लू, समाज सेवी हार्मोन जी , अमित तिर्की, जोन लकड़ा संत अन्ना कॉन्वेंट ताराबोगा के धर्म बहनें, सालंगापोस मिशन के कैथोलिक सभा ,महिला संघ, युवा संघ की कई पदाधिकारी एवं सदस्य समेत स्थानीय ग्रामीणों की बड़ी संख्या में भागीदारी रही।